कानपुर, मंगलवार, 17 मार्च, 2026
वर्षः 03, अंकः 69, पृष्ठः 8+4

सच्चाई के दम पर जोश के साथ...

swarajindia2023@gmail.com swarajindianews swarajindianews

ई-पेपर पढ़ने के लिए क्लिक करें
https://epaper.swarajindianews.com
Website: www.swarajindianews.com

सांध्यकालीन समाचार पत्र

स्वराज इंडिया

इनसाइड टकराव अब खाड़ी के पार जाने के कगार पर...>Pg12

पीएम आवास आवेदन फार्म के लिए लंबी कतार...>Pg03

मूल्यः 2 ₹

पाकिस्तान-अफगानिस्तान सीमा बनी जंग का नया मोर्चा

काबुल में भीषण एयर स्ट्राइक
400 मौतों से मची दहशत

स्वराज इंडिया ब्यूरो

नई दिल्ली। मध्य एशिया और दक्षिण एशिया का भू-राजनीतिक परिदृश्य तेजी से विस्फोटक होता जा रहा है। ईरान-इजरायल-अमेरिका के बीच जारी टकराव के समानांतर अब पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच तनाव खतरनाक स्तर तक पहुंच गया है। बीते कई दिनों से दोनों देशों के बीच लगातार हमले और जवाबी कार्रवाई हो रही है, जिससे पूरे क्षेत्र में अस्थिरता और भय का माहौल गहराता जा रहा है।

सोमवार देर रात काबुल में एक अस्पताल और नशा मुक्ति केंद्र पर एयर स्ट्राइक का दावा सामने आया है। अफगान प्रशासन के उप-प्रवक्ता हमदुल्ला फ़ितरत के अनुसार इस हमले में करीब 400 लोगों की मौत और 250 से अधिक लोग घायल हुए हैं। बताया जा रहा है कि हमले में इमारत का बड़ा हिस्सा पूरी तरह तबाह हो गया और राहत टीमें मलबे से शव निकालने में जुटी रहीं।

हालांकि पाकिस्तान ने इन आरोपों को पूरी तरह खारिज कर दिया है। पाक अधिकारियों का कहना है कि उनकी कार्रवाई केवल सीमावर्ती आतंक ठिकानों तक सीमित थी और किसी भी नागरिक या अस्पताल को निशाना नहीं बनाया गया। स्थिति की गंभीरता का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि एक हफ्ते के भीतर यह दूसरा बड़ा हमला बताया जा रहा है। लगातार बढ़ते हमलों ने क्षेत्र को युद्ध जैसे हालात की ओर धकेल दिया है। इस बीच अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी चिंता गहराने लगी है। अफगानिस्तान के स्टार क्रिकेटर राशिद खान ने सोशल मीडिया के जरिए हमले की कड़ी निंदा करते हुए संयुक्त राष्ट्र से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है।

➪ आरोप-प्रत्यारोप के बीच अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चिंता गहराई

निष्कर्ष

पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच बढ़ता टकराव ऐसे समय में सामने आया है, जब पहले से ही वैश्विक तनाव चरम पर है। काबुल हमले के दावे ने हालात को और भयावह बना दिया है। हालांकि सच्चाई और दावों के बीच धुंध अभी बनी हुई है, लेकिन इतना साफ है कि अगर जल्द हालात नहीं संभले, तो यह संघर्ष पूरे क्षेत्र को गंभीर संकट में डाल सकता है।

अब तक क्या हुआ टकराव की टाइमलाइन

- पिछले 7-10 दिनों में लगातार सीमा पार हमले और जवाबी कार्रवाई
- एक हफ्ते के भीतर कम से कम 2 बड़े हमले
- सीमावर्ती इलाकों में छोटे-मोटे हमलों की संख्या 5-7 तक मानी जा रही
- काबुल एयर स्ट्राइक सबसे बड़ा और सबसे घातक दावा

क्या यह दावा पूरी तरह प्रमाणित है?

- 400 मौतों का आंकड़ा अफगान प्रशासन का दावा है
- स्वतंत्र अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों से पूर्ण पुष्टि अभी नहीं
- पाकिस्तान ने हमले से साफ इनकार किया है
- जमीनी स्थिति पर सूचना युद्ध भी जारी

अब आगे क्या हो सकता है?

सीमित युद्ध का खतरा - दोनों देशों के बीच टकराव सीमित युद्ध का रूप ले सकता है, खासकर सीमा क्षेत्रों में।

क्षेत्रीय संघर्ष का विस्तार - ईरान-इजरायल तनाव के बीच यह संघर्ष मल्टी-फ्रंट क्राइसिस बन सकता है।

आतंकी गतिविधियों में उछाल - अस्थिरता का फायदा उठाकर आतंकी संगठन सक्रिय हो सकते हैं।

शरणार्थी संकट - अफगानिस्तान से बड़े पैमाने पर विस्थापन की आशंका बढ़ सकती है।

संयुक्त राष्ट्र की दखलंदाजी - अगर हालात नहीं संभले तो अंतरराष्ट्रीय हस्तक्षेप और कूटनीतिक दबाव बढ़ेगा।

विशेषज्ञ क्या कहते हैं?

- यह केवल सीमा विवाद नहीं, बल्कि रणनीतिक दबाव और शक्ति प्रदर्शन है
- मौजूदा हालात "क्षेत्रीय अस्थिरता की चेन रिएक्शन" का संकेत दे रहे हैं
- अगर जल्द कूटनीतिक पहल नहीं हुई, तो यह संकट बड़े युद्ध की भूमिका बन सकता है

11 साल की मासूम की दफन लाश मिली, रेप के बाद हत्या की आशंका

दरिंदगी की इंतहा

प्रमुख संवाददाता, स्वराज इंडिया

कानपुर। बिधनू थाना क्षेत्र के एक गांव में इंसानियत को झकझोर देने वाली वारदात सामने आई है। 11 वर्षीय मासूम बच्ची की हत्या ने पूरे इलाके को दहशत और गुस्से से भर दिया है। मंगलवार सुबह गांव के बाहर एक खेत में बच्ची का शव मिट्टी में दबा मिला तो हड़कंप मच गया। मासूम की इस दर्दनाक मौत ने कई सनसनीखेज सवाल खड़े कर दिए हैं।

प्रारंभिक जांच में जो तस्वीर सामने आ रही है, वह बेहद भयावह है। बच्ची के शरीर पर चोटों के कई निशान पाए गए हैं, जिससे उसके साथ दरिंदगी की आशंका और गहरा गई है। पुलिस रेप के बाद हत्या की आशंका को भी गंभीरता से जांच के दायरे में रखे हुए है। हालांकि, इस बर्बर वारदात का असली सच पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही पूरी तरह साफ हो सकेगा।

घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। मौके से जुटाए गए साक्ष्य कई अहम संकेत दे रहे हैं। सूत्रों के मुताबिक, बच्ची के साथ पहले हैवानियत की गई और फिर उसकी पहचान छुपाने के इरादे से उसे मारकर खेत में दफना दिया गया।

इस सनसनीखेज मामले में पुलिस ने एक पड़ोसी को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। उसके घर से कुछ संदिग्ध वस्तुएं भी बरामद हुई हैं, जिन्हें फॉरेंसिक जांच के लिए भेजा गया है। पुलिस का मानना है कि यह वारदात किसी परिचित द्वारा ही अंजाम दी गई हो सकती है।

गांव में मातम पसरा हुआ है, वहीं परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। ग्रामीणों में भारी आक्रोश है और वे जल्द से जल्द आरोपी को कड़ी सजा देने की मांग कर रहे हैं। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की गंभीरता को देखते हुए हर पहलू पर बारीकी से जांच की जा रही है। जल्द ही पूरे घटनाक्रम का खुलासा किया जाएगा और दोषियों को कानून के कठघरे में खड़ा किया जाएगा।

केडीए की बड़ी कार्रवाई

तातियागंज में 5 बीघा अवैध प्लाटिंग ध्वस्त, कई सोसाइटी को नोटिस

प्रवर्तन प्रभारी संदीप मोदनवाल के नेतृत्व में की गई कार्रवाई

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। कानपुर विकास प्राधिकरण (केडीए) ने अवैध प्लाटिंग के खिलाफ कार्रवाई तेज करते हुए मंगलवार को तातियागंज क्षेत्र में लगभग 5 बीघा भूमि पर की गई अवैध प्लाटिंग को ध्वस्त कर दिया। यह कार्रवाई उपाध्यक्ष के निर्देश और सचिव के आदेश के क्रम में प्रवर्तन जोन-2ए द्वारा की गई। प्राधिकरण की टीम ने ग्राम तातियागंज की आराजी संख्या 994 और 995 पर की गई अवैध प्लाटिंग को बुलडोजर से ध्वस्त किया। डिमोलिशन की कार्रवाई प्रवर्तन प्रभारी संदीप मोदनवाल के नेतृत्व में की गई। इस दौरान प्रवर्तन दस्ता, अवर अभियंता अनीस कुमार तथा चौबेपुर थाना पुलिस बल मौके पर मौजूद रहा।

इसके अलावा प्रवर्तन जोन-2ए की टीम ने विभिन्न क्षेत्रों में अवैध प्लाटिंग करने वालों को नोटिस जारी कर मानचित्र स्वीकृत कराने की चेतावनी भी दी है। नोटिस प्राप्त करने वालों में ग्राम महाराजपुर स्थित श्याम विहार सोसाइटी और बांके बिहारी सोसाइटी, ग्राम इंदलपुर की आराजी संख्या 206 और 207 पर स्थित तिरुपति ग्रीन्स सोसाइटी व राम कृष्णा विहार कॉलोनी, ग्राम राय गोपालपुर की आराजी संख्या 101 पर कृष्ण कुमार, ग्राम पंचमपूरवा की आराजी संख्या 1056 पर श्याम सोसाइटी तथा ग्राम कुरसौली की बालाजी हाउसिंग सोसाइटी शामिल हैं।

प्राधिकरण अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि यदि संबंधित प्लाटिंगकर्ताओं द्वारा मानचित्र स्वीकृत नहीं कराया गया तो उनके विरुद्ध बड़े स्तर पर ध्वस्तीकरण और सीलिंग की कार्रवाई की जाएगी। साथ ही भू-माफियाओं के खिलाफ एफआईआर भी दर्ज कराई जाएगी।

केडीए की प्रवर्तन टीम द्वारा जोन-2ए के अंतर्गत विभिन्न स्थानों पर अवैध प्लाटिंग को चिन्हित करने का अभियान भी लगातार चलाया जा रहा है।

जनगणना-2027 के लिए फील्ड ट्रेनरों का प्रशिक्षण शुरू, डीएम ने किया शुभारंभ

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। भारत की जनगणना-2027 के प्रथम चरण मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना को लेकर जनपद में तैयारियां तेज हो गई हैं। इसी क्रम में 172 फील्ड ट्रेनरों का तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम सरसैया घाट स्थित नवीन सभागार और कलेक्ट्रेट के मीटिंग हॉल में शुरू हुआ। प्रशिक्षण सत्र का शुभारंभ जिलाधिकारी जितेन्द्र प्रताप सिंह ने किया।

जिलाधिकारी ने कहा कि जनगणना देश की सबसे व्यापक और महत्वपूर्ण सांख्यिकीय प्रक्रिया है, जिससे आवास, शिक्षा, रोजगार, मूलभूत सुविधाओं सहित सामाजिक-आर्थिक स्थिति से जुड़े महत्वपूर्ण आंकड़े प्राप्त होते हैं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रशिक्षण कार्यक्रम समयबद्ध ढंग से पूरा कर जनगणना के प्रथम चरण की सभी तैयारियां सुनिश्चित की जाएं।बताया गया कि जनगणना-2027 देश की 16वीं तथा स्वतंत्रता के बाद की 8वीं जनगणना होगी। इस बार जनगणना पूरी तरह डिजिटल माध्यम से कराई जाएगी और पहली बार नागरिकों को स्वगणना (सेल्फ एन्यूमरेशन) की सुविधा भी उपलब्ध कराई जाएगी। जनपद में इस कार्य के लिए

लगभग 13000 से अधिक कार्मिकों की तैनाती की जाएगी।जनगणना का पहला चरण 22 मई से 20 जून 2026 तक संचालित होगा, जिसमें मकानों का सूचीकरण और मकानों की गणना की जाएगी, जबकि दूसरा चरण फरवरी 2027 में आयोजित किया जाएगा।प्रशिक्षण कार्यक्रम में 172 फील्ड ट्रेनरों को कुल 5 बैचों में प्रशिक्षण दिया जा रहा है। लखनऊ से प्रशिक्षित मास्टर ट्रेनरों द्वारा उन्हें जनगणना की प्रक्रिया, डिजिटल एप्लीकेशन के उपयोग, डाटा संकलन की विधि तथा सर्वेक्षण के दौरान अपनाई जाने वाली सावधानियों की जानकारी दी जा रही है। इसके साथ ही भवन के उपयोग, निर्माण सामग्री, कमरों की संख्या, स्वामित्व की स्थिति, पेयजल, विद्युत, शौचालय, खाना पकाने के ईंधन तथा घरों में उपलब्ध परिसंपत्तियों सहित 33 प्रकार के विवरण दर्ज करने की प्रक्रिया भी समझाई जा रही है।

प्रशिक्षण सत्र में सहायक निदेशक जनगणना एवं जिला प्रभारी दिनेश कुमार यादव, सांख्यिकी अधिकारी एवं सहायक जिला प्रभारी हिमांशु शुक्ला, डायट लेक्चरर एवं मास्टर ट्रेनर राहुल यादव, अनूप पटेल, अजीजुर रहमान तथा सहायक अध्यापक एवं मास्टर ट्रेनर सौरव यादव प्रशिक्षण दे रहे हैं। प्रशिक्षण के बाद यही फील्ड ट्रेनर जनपद के प्रगणकों और पर्यवेक्षकों को प्रशिक्षित करेंगे।

इस अवसर पर नगर आयुक्त अर्पित उपाध्याय, अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) विवेक चतुर्वेदी सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

नगर निगम कानपुर में 10 पार्षद नामित

विजय सिंह सेंगर, रमेश बाल्मीकि और आदित्य शुक्ला को मिली जिम्मेदारी

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। उत्तर प्रदेश सरकार ने सोमवार को प्रदेश के नगर निगमों और नगर निकायों में मनोनीत पार्षदों और सभासदों की सूची जारी कर दी। इसी क्रम में नगर निगम कानपुर में 10 पार्षदों को मनोनीत किया गया है। सरकार द्वारा जारी सूची के बाद स्थानीय राजनीतिक और सामाजिक हलकों में चर्चा तेज हो गई है।मनोनीत पार्षदों में भारतीय जनता पार्टी के पूर्व उत्तर अध्यक्ष विजय सिंह सेंगर, पूर्व पार्षद रमेश बाल्मीकि और आदित्य शुक्ला को भी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी गई है। इनके नाम शामिल होने के बाद समर्थकों में उत्साह देखा जा रहा है। माना जा रहा है कि संगठन और सामाजिक क्षेत्र में सक्रिय भूमिका निभाने वाले लोगों को प्राथमिकता देते हुए यह मनोनयन किया गया है।नगर निगम में पार्षदों के मनोनयन का उद्देश्य शहर के विकास कार्यों में जनप्रतिनिधियों की भागीदारी को और मजबूत करना तथा विभिन्न सामाजिक वर्गों का प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करना है। सरकार के इस निर्णय से नगर निगम की कार्यप्रणाली में जनसहभागिता बढ़ने की उम्मीद जताई जा रही है। ऐसे में अनुभवी और सक्रिय लोगों को जिम्मेदारी मिलने से शहर के विकास कार्यों को गति मिलने की संभावना है।

सरकार द्वारा जारी सूची के अनुसार नगर निगम कानपुर में कुल 10 पार्षदों को मनोनीत किया गया है, जिनमें विभिन्न सामाजिक और संगठनात्मक पृष्ठभूमि से जुड़े लोगों को स्थान दिया गया है। नई जिम्मेदारी मिलने पर नामित पार्षदों ने शहर के विकास और जनहित के मुद्दों पर सक्रियता से कार्य करने की बात कही है।

कानपुर विकास प्राधिकरण के अफसरों की उदासीनता से व्यवस्था पर उठे सवाल

पीएम आवास आवेदन फार्म के लिए लंबी कतार

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। कानपुर विकास प्राधिकरण (केडीए) द्वारा संचालित प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के तहत आवेदन प्रपत्र लेने के लिए लोगों को भारी अव्यवस्था का सामना करना पड़ रहा है। मोतीझील स्थित शाखा के बाहर प्रतिदिन लंबी-लंबी कतारें लग रही हैं, जहां लोग घंटों खड़े होकर अपनी बारी का इंतजार करने को मजबूर हैं। इस पूरे मामले में अफसरों की उदासीनता साफ दिखाई दे रही है, जिससे आम जनता की परेशानी लगातार बढ़ती जा रही है।

योजना के विज्ञापन में स्पष्ट रूप से कहा गया था कि आवेदन प्रपत्र एचडीएफसी बैंक की कानपुर स्थित सभी शाखाओं से प्राप्त किए जा सकेंगे। लेकिन जमीनी हकीकत इससे बिल्कुल अलग है। अधिकांश शाखाओं से लोगों को यह कहकर लौटा दिया जा रहा है कि प्रपत्र केवल मोतीझील स्थित केडीए शाखा से ही मिलेंगे। परिणामस्वरूप पूरे शहर के लोग एक ही स्थान पर पहुंच रहे हैं और वहां अव्यवस्था की स्थिति बन रही है।

प्रपत्र लेने पहुंची निशा ने बताया कि वह पहले सिविल लाइंस स्थित शाखा पहुंचीं, लेकिन वहां से उन्हें मोतीझील शाखा भेज दिया गया। इसी तरह निजी कर्मचारी शेखर कुमार का कहना है कि लंबी कतार में लगने के कारण उनका पूरा दिन खराब हो जाता है, जिससे उनके कामकाज पर भी असर पड़ता है।

दरअसल योजना के तहत सीमित संख्या में ही आवास उपलब्ध हैं, जबकि आवेदन करने वालों की संख्या काफी अधिक है। इसके बावजूद प्रपत्र वितरण की समुचित व्यवस्था नहीं की गई। एक ही शाखा से प्रपत्र वितरण होने के कारण भीड़ बढ़ रही है और लोगों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब पहले से ही बड़ी संख्या में आवेदन आने का अनुमान था, तो फिर प्रशासनिक स्तर पर बेहतर व्यवस्था क्यों नहीं की गई। अफसरों की उदासीनता के चलते आम लोगों को घंटों लाइन में खड़ा रहना पड़ रहा है। अब देखना यह होगा कि संबंधित अधिकारी इस अव्यवस्था को दूर करने के लिए क्या कदम उठाते हैं और लोगों को राहत दिलाने के लिए क्या नई व्यवस्था की जाती है।

केडीए सचिव अभय पांडेय ने कहा कि जनता को किसी भी प्रकार से परेशानी नहीं होने दी जाएगी, हमने बैंक प्रबंधन को तलब किया है जल्दी इस मामले में सॉल्यूशन निकाल कर व्यवस्था और बेहतर की जाएगी.

अतिक्रमणकारियों के बुलंद हौसले

फुटपाथ पर कब्जा, खुलेआम चल रहा धंधा

- जाजमऊ में 'स्नैप चाय' की दुकान का सरकारी जमीन पर अवैध कब्जा
- थाना सामने फिर भी कार्रवाई शून्य; जिम्मेदारों की भूमिका पर उठे सवाल

कानपुर। शहर के जाजमऊ क्षेत्र में अतिक्रमणकारियों के हौसले किस कदर बुलंद हैं, इसका ताजा उदाहरण सामने आया है। यहां सरकारी फुटपाथ पर कब्जा कर 'स्नैप चाय' नाम से दुकान खुलेआम संचालित की जा रही है। हैरानी की बात यह है कि यह अवैध कब्जा लंबे समय से जारी है, लेकिन जिम्मेदार विभाग अब तक आंखें मूंदे बैठे हैं।

स्थानीय लोगों के अनुसार, फुटपाथ जैसी सार्वजनिक सुविधा, जो राहगीरों के लिए बनाई गई है, उसे पूरी तरह घेरकर व्यावसायिक उपयोग में लिया जा रहा है। स्थिति तब और गंभीर हो जाती है, जब इस दुकान के आसपास दिन-रात भीड़ जमा रहती है।

आरोप है कि यह स्थान धीरे-धीरे नशाखोरी का अड्डा बनता जा रहा है, जिससे क्षेत्र का माहौल भी बिगड़ रहा है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि शाम होते ही यहां संदिग्ध गतिविधियां बढ़ जाती हैं, जिससे महिलाओं और राहगीरों को असुविधा का सामना करना पड़ता है।

सबसे बड़ा सवाल नगर निगम और संबंधित अधिकारियों की कार्यप्रणाली को लेकर उठ रहा है। सूत्रों की मानें तो बिना मिलीभगत के इतने लंबे समय तक सरकारी जमीन पर इस तरह का कब्जा संभव नहीं है। चौंकाने वाली बात यह भी है कि अवैध दुकान के ठीक सामने जाजमऊ थाना स्थित है, लेकिन इसके बावजूद अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। इससे पुलिस और प्रशासन दोनों की कार्यशैली पर सवालिया निशान लग रहे हैं। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से तत्काल कार्रवाई की मांग की है, ताकि फुटपाथ को अतिक्रमण से मुक्त कराया जा सके।

- सरकारी फुटपाथ पर अवैध कब्जा कर दुकान संचालन
- 'स्नैप चाय' की दुकान कर रही नियमों का खुला उल्लंघन
- दिन-रात भीड़, नशाखोरी के अड्डे में तब्दील होने के आरोप
- नगर निगम व अधिकारियों की भूमिका संदिग्ध
- थाना सामने होने के बावजूद कार्रवाई का अभाव
- स्थानीय लोगों में आक्रोश, जल्द कार्रवाई की मांग

रसूलाबाद नगर पंचायत में तीन शासन सभासद हुए नामित

भाजपा ने युवा व सक्रिय कार्यकर्ताओं पर जताया भरोसा, पार्टीजनों में खुशी

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

रसूलाबाद। कानपुर देहात। उत्तर प्रदेश शासन द्वारा प्रदेशभर की नगर निकायों में शासन सभासदों की सूची जारी कर दी गई है। इसी क्रम में रसूलाबाद नगर पंचायत में भी तीन सभासदों को नामित किया गया है। नामों की घोषणा होते ही भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं में खुशी की लहर दौड़ गई और नव मनोनीत सभासदों को बधाइयाँ दी जाने लगीं।

नगर पंचायत रसूलाबाद में शासन की ओर से सूर्यांश मिश्रा रानू, नरेंद्र पांडेय और रामआसरे राजपूत को शासन सभासद नामित किया गया है। इनमें युवा चेहरा माने जा रहे सूर्यांश मिश्रा रानू को अवसर मिलने से पार्टी कार्यकर्ताओं में खास उत्साह देखा गया। सूर्यांश मिश्रा रानू वर्ष 2014 से भारतीय जनता पार्टी से जुड़े हुए हैं और पूर्व में शक्ति केंद्र संयोजक के रूप में संगठन में सक्रिय भूमिका निभा चुके हैं।

इसी तरह गांधी नगर निवासी नरेंद्र पांडेय को भी शासन सभासद बनाया गया है। उन्होंने कहा कि नगर की मूलभूत समस्याओं पर विशेष फोकस करते हुए जनहित के कार्यों को आगे बढ़ाया जाएगा तुलसी नगर निवासी रामआसरे राजपूत को भी रसूलाबाद नगर पंचायत का नामित सभासद बनाया गया है। तीनों कार्यकर्ताओं के मनोनयन के बाद भाजपा

रामआसरे राजपूत

सूर्यांश मिश्रा रानू

नरेंद्र पांडेय

कार्यकर्ताओं ने उन्हें बधाई देते हुए उज्ज्वल कार्यकाल की कामना की।

नव मनोनीत सभासदों को बधाई देने वालों में क्षेत्रीय विधायक पूनम संखवार, नगर पंचायत अध्यक्ष देवशरण कमल, जिला मंत्री जितेंद्र त्रिपाठी जीतू, सोनू पांडेय, घनश्याम शुक्ला, रवि सिंह,

अटल बाजपेई सहित बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता शामिल रहे।

हालांकि, सूची जारी होने के बाद कुछ अन्य दावेदारों के नाम न आने से उनके समर्थकों में मायूसी भी देखने को मिली। फिर भी पार्टी कार्यकर्ताओं ने उम्मीद जताई कि नए शासन सभासद नगर के विकास और जनहित के मुद्दों को मजबूती से आगे बढ़ाएंगे।

जिम्मेदारों की नींद टूटी, धंसी सड़क की तुरंत कराई मरम्मत

बल्हारामऊ-देवीपुर-मलासा-चांदपुर मार्ग पर धंसी सड़क की समस्या को स्वराज इंडिया ने प्रमुखता से प्रकाशित किया था

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। जनसमस्याओं को प्रमुखता से उठाने वाले स्वराज इंडिया अखबार की खबर का एक बार फिर बड़ा असर हुआ है। मलासा ब्लॉक क्षेत्र के बल्हारामऊ-देवीपुर-मलासा-चांदपुर मार्ग पर धंसी सड़क को लेकर प्रकाशित खबर के बाद जिम्मेदार विभाग में हड़कंप मच गया और अधिकारियों ने तुरंत मौके पर पहुंचकर सड़क की मरम्मत का कार्य पूरा कराया। इससे क्षेत्रीय लोगों व राहगीरों को बड़ी राहत मिली है।

स्वराज इंडिया

धसक गई सड़क
हादसों का खतरा बढ़ा

खबर का असर

गौरतलब है कि मलासा गांव के पास सेगुर नदी पुल के निकट सड़क धंस जाने से गहरा गड्ढा बन गया था। इससे राहगीरों और वाहन चालकों के लिए गंभीर खतरा पैदा हो गया था। खासकर रात के समय गड्ढा दिखाई न देने के कारण कई लोग गिरकर घायल भी हो चुके थे।

भारी वाहनों की आवाजाही के कारण सड़क की स्थिति और खराब होती जा रही थी और किसी भी समय बड़ा हादसा होने की आशंका बनी हुई थी।इस गंभीर समस्या को स्वराज इंडिया ने प्रमुखता से प्रकाशित करते हुए सड़क की जर्जर स्थिति और संभावित हादसे के खतरे को उजागर किया था। खबर प्रकाशित होते ही लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों ने मामले को गंभीरता से लिया और विभागीय टीम को तत्काल मौके पर भेजा गया।

निरीक्षण के बाद क्षतिग्रस्त हिस्से की मरम्मत कराकर सड़क को फिर से दुरुस्त करा दिया गया।

ग्रामीणों का कहना है कि यह मार्ग आसपास के कई गांवों को जोड़ने वाला प्रमुख रास्ता है, जिस पर प्रतिदिन बड़ी संख्या में दोपहिया, चारपहिया और भारी वाहन गुजरते हैं। सड़क धंस जाने से लोगों को भारी परेशानी और डर के माहौल में आवागमन करना पड़ रहा था। मरम्मत कार्य पूरा होने के बाद अब लोगों ने राहत की सांस ली है। ग्रामीणों और राहगीरों ने स्वराज इंडिया की टीम का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि अखबार ने जनहित की समस्या को उजागर कर प्रशासन को कार्रवाई करने के लिए मजबूर किया।

सम्पादकीय

मातृ-स्वास्थ्य को गंभीरता से लें

हालांकि, पंजाब में पिछले दिनों सामने आए मातृ स्वास्थ्य से जुड़े आंकड़े कुछ हद तक उम्मीद जरूर जगाते हैं, लेकिन उन्हें संतोषजनक नहीं कहा जा सकता। राज्य में बच्चे को जन्म देने के दौरान मातृ मृत्यु दर में मामूली गिरावट दर्ज की गई है। जो निश्चित रूप से गर्भावस्था और प्रसव के दौरान माताओं की सेहत की सुरक्षा करने में स्वास्थ्य सेवा प्रणाली की क्षमता में क्रमबद्ध सुधार का ही संकेत देती है। लेकिन, इस मामूली गिरावट के बावजूद एक गंभीर चिंता को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए कि प्रगति अभी भी धीमी व असमान गति वाली है। दरअसल, मातृ मृत्यु दर प्रति एक लाख जीवित जन्मों पर होने वाली मौतों के रूप में मापी जाती है। जिसे व्यापक अर्थों में किसी भी समाज की स्वास्थ्य सेवा की क्षमता तथा समाज में लैंगिक समानता का एक महत्वपूर्ण सूचक भी माना जाता है। इस तरह मातृ मृत्यु दर में आई मामूली गिरावट भी प्रसव पूर्व गर्भवती स्त्री की देखभाल, संस्थागत स्तर पर प्रसव कराने और आपातकालीन प्रसूति सेवाओं की स्थिति में सुधार को ही दर्शाती है। इसके बावजूद अभी पंजाब में मातृ स्वास्थ्य सुविधाओं में विस्तार की काफी गुंजाइश है। विशेष रूप से तब जब कि कई जिलों में मातृ मृत्यु दर अभी भी चिंताजनक बनी हुई है। यहां जरूरी हो जाता है कि पंजाब के पड़ोसी राज्य हरियाणा में मातृ स्वास्थ्य सुरक्षा से जुड़े आंकड़ों का तुलनात्मक अध्ययन भी किया जाए। हालांकि, पहले इस दिशा में आशातीत प्रगति दर्ज की गई थी। लेकिन अब हरियाणा की मातृ मृत्यु दर यानी एमएमआर के नवीनतम मूल्यांकन चक्र में स्थिति लगभग अपरिवर्तित ही नजर आती है। निश्चित तौर पर आंकड़ों में देखी जा रही यह स्थिरता सार्वजनिक स्वास्थ्य नीति में एक आम चुनौती को ही उजागर करती है। निर्विवाद रूप से प्रारंभिक स्तर पर किए गए सुधार अक्सर त्वरित लाभ देते हैं, लेकिन जरूरी है कि इस दिशा में प्रगति को अनवरत बनाया रखा जाए। निस्संदेह, इस प्रगति के लिये निरंतर गहन संरचनात्मक परिवर्तनों की जरूरत होती है।वास्तव में मातृ स्वास्थ्य रक्षा के लिये कई मोर्चों पर एक साथ काम करने की आवश्यकता होती है। ऐसे में केवल अस्पतालों और योजनाओं में निवेश करना ही पर्याप्त नहीं होता है। बल्कि गर्भावस्था के दौरान गुणवत्तापूर्ण देखभाल, समय रहते रेफरल और उच्च जोखिम वाली गर्भावस्थाओं की निरंतर निगरानी करना भी उतना ही महत्वपूर्ण माना जाता है। दरअसल, पंजाब में स्वास्थ्य संबंधी ऑडिट से पहले ही प्रणालीगत खामियों की ओर संकेत मिला है। जैसा कि निदान में देरी, प्रसवोत्तर रक्तस्राव जैसी जटिलताओं का खराब प्रबंधन तथा स्वास्थ्य सुविधाओं के बीच कमजोर समन्वय का होना भी है। निस्संदेह, इन कमियों को दूर करने के लिये जिला अस्पतालों को सुविधा संपन्न करना बेहद जरूरी है।

इसके अलावा अस्पतालों में विशेषज्ञ चिकित्सकों की उपलब्धता सुनिश्चित करने की भी जरूरत है। साथ ही ग्रामीण स्वास्थ्य केंद्रों से रेफरल नेटवर्क में यथाशीघ्र सुधार करना भी बेहद आवश्यक हो जाता है। भारत सरकार ने सतत विकास लक्ष्यों को हासिल करने के क्रम में मातृ मृत्यु दर को प्रति एक लाख जीवित जन्मों पर 70 से कम करने का संकल्प लिया है। यदि पंजाब और हरियाणा को इस लक्ष्य को हासिल करना है तो उन्हें अपने प्रयासों में योजनाबद्ध ढंग से तेजी लानी होगी। इसमें दो राय नहीं कि मातृ मृत्यु दर महज चिकित्सा आंकड़े नहीं है। ये वो रोकी जा सकने वाली त्रासदी है, जो कई परिवारों और समुदायों को अपूरणीय क्षति पहुंचाती है।

कौन जीतेगा चुनावी महाभारत क्या बंगाल में होगा बदलाव

हेमंत शर्मा

पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु और केरल ऐसे राज्य हैं जहां भाजपा अब तक सत्ता से दूर रही है, लेकिन इस बार वह पूरी ताकत के साथ अपनी राजनीतिक उपस्थिति को विस्तार देने की कोशिश कर रही है। इन राज्यों में भाजपा की सबसे बड़ी चुनौती क्षेत्रीय दल हैं।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और कांग्रेस नेता राहुल गांधी के बीच एक और बड़े मुकाबले की तैयारी शुरू हो चुकी है, जबकि वामपंथ अपने आखिरी किले को बचाने की जंग लड़ने की स्थिति में दिखाई दे रहा है। असम, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु और केरल में होने जा रहे विधानसभा चुनाव केवल राज्यों की सत्ता का सवाल नहीं हैं, बल्कि यह राष्ट्रीय राजनीति की दिशा तय करने वाले निर्णायक राजनीतिक संघर्ष के रूप में उभर रहे हैं। इन चुनावों में भारतीय जनता पार्टी अपने विस्तार की रणनीति के साथ मैदान में है, जबकि कांग्रेस और अन्य विपक्षी दल इसे भाजपा के बढ़ते प्रभाव को रोकने की आखिरी बड़ी परीक्षा के रूप में देख रहे हैं।

देखा जाये तो लोकसभा चुनाव 2024 के बाद हुए कई विधानसभा चुनावों ने यह संकेत दिया कि भाजपा अभी भी राष्ट्रीय राजनीति की सबसे मजबूत ताकत बनी हुई है। विपक्ष को उम्मीद थी कि लोकसभा चुनाव में अपेक्षाकृत बेहतर प्रदर्शन के बाद उसका मनोबल बढ़ेगा, लेकिन बाद के चुनावों में भाजपा ने अपनी पकड़ बनाए रखी। अब पांच राज्यों में हो चुका चुनावी शंखनाद का दौर यह तय करेगा कि क्या भाजपा उन राज्यों में भी अपनी राजनीतिक जमीन मजबूत कर सकती है जहां अब तक उसे सत्ता नहीं मिली है।देखा जाये तो इन चुनावों की घोषणा ऐसे समय हुई है जब विपक्ष प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर व्यक्तिगत रूप से तथा एनडीए सरकार पर कई मुद्दों को लेकर लगातार हमला कर रहा है। अमेरिका के साथ व्यापार समझौता, पश्चिम एशिया संकट के कारण ऊर्जा आपूर्ति को लेकर चिंता और मतदाता सूची के विशेष पुनरीक्षण जैसे मुद्दों को लेकर सरकार पर सवाल उठाए जा रहे हैं। ऐसे माहौल में इन चुनावों को जनता के वास्तविक राजनीतिक मूड की परीक्षा के रूप में भी देखा जा रहा है।भाजपा इस चुनावी दौर में असम में सबसे अधिक आत्मविश्वास के साथ उतर रही है। 2016 से राज्य की सत्ता में मौजूद भाजपा मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा के नेतृत्व में खुद को मजबूत स्थिति में मान रही है। पार्टी ने बांग्लादेश से होने वाली घुसपैठ और स्थानीय पहचान के मुद्दों को चुनावी बहस के केंद्र में ला दिया है, जिससे चुनावी वातावरण और अधिक तीखा हो गया है।दूसरी ओर पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु और केरल ऐसे राज्य हैं जहां भाजपा अब तक सत्ता से दूर रही है, लेकिन इस बार वह पूरी ताकत के साथ अपनी राजनीतिक उपस्थिति को विस्तार देने की कोशिश कर रही है।

इन राज्यों में भाजपा की सबसे बड़ी चुनौती क्षेत्रीय दल हैं। पश्चिम बंगाल में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और तमिलनाडु में मुख्यमंत्री एमके स्टालिन भाजपा के सबसे मुखर विरोधियों में शामिल हैं और दोनों ही नेता इस चुनावी मुकाबले में सीधे भाजपा के निशाने पर हैं।हम आपको बता दें कि चारों राज्यों में भाजपा केवल असम में सत्ता में है, जबकि केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी में वह सत्तारुढ़ गठबंधन का हिस्सा है।

असम के बाद पार्टी की सबसे बड़ी राजनीतिक महत्वाकांक्षा पश्चिम बंगाल में दिखाई देती है, जहां वह तृणमूल कांग्रेस को सीधी चुनौती दे रही है। वहीं तमिलनाडु में भाजपा ने अन्नाद्रमुक के नेतृत्व में एक व्यापक गठबंधन तैयार कर द्रमुक के नेतृत्व वाले मोर्चे को घेरने की रणनीति बनाई है।केरल का चुनाव अलग मायने रखता है क्योंकि यहां परंपरागत रूप से वाम लोकतांत्रिक मोर्चा और कांग्रेस के नेतृत्व वाला संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा ही मुख्य मुकाबले में रहे हैं। लेकिन पिछले चुनावों में भाजपा को करीब 17 प्रतिशत मत मिलने के बाद उसे यहां एक प्रभावशाली कारक के रूप में देखा जाने लगा है। ऐसे में यह चुनाव वामपंथ के लिए अपने आखिरी मजबूत किले को बचाने की चुनौती भी बन गया है।हम आपको बता दें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चुनावी अभियान की कमान संभालते हुए इन सभी राज्यों में लगातार दौरे और रैलियां की हैं।

टूट रहा है दुबई में बसने का सुनहरा सपना

खाड़ी संकट का असर

विशंभर पुरोहित

विदेश में बसना या निवेश करना कोई गलत निर्णय नहीं है। लेकिन केवल टैक्स बचाने या अल्पकालिक लाभ के लिए स्थायी रूप से देश छोड़ देना एक बड़ा फैसला होता है, जिसके दूरगामी परिणाम हो सकते हैं।बीते कुछ सालों में भारत के कई बड़े उद्योगपति, निवेशक और उच्च आय वर्ग के लोग तेजी से दुबई और खाड़ी देशों की ओर रुख करते दिखाई दिए। कम टैक्स, वैश्विक जीवनशैली और आसान बिजनेस माहौल ने उन्हें आकर्षित किया। लेकिन, हाल के भू-राजनीतिक तनावों और क्षेत्रीय अस्थिरता ने इस प्रवृत्ति पर नए सवाल खड़े कर दिए। क्या वास्तव में दुबई जैसे देशों में बसना उतना सुरक्षित और स्थायी विकल्प है जितना माना जाता है, या फिर यह केवल टैक्स बचाने और विलासितापूर्ण जीवन की चाह का परिणाम है! यह सवाल अब गंभीर बहस का विषय बन चुका है।

एक दशक में दुबई भारतीयों के लिए सबसे पसंदीदा विदेशी ठिकानों में से एक बनकर उभरा है। खासकर अमीर भारतीयों और उद्योगपतियों के बीच वहां बसने की प्रवृत्ति तेजी से बढ़ी है। दुबई की रियल एस्टेट मार्केट में भारतीय निवेशकों की हिस्सेदारी लगातार बढ़ती गई और कई बड़े कारोबारी परिवारों ने वहां महंगी प्रॉपर्टी खरीदकर स्थायी निवास बना लिया।इस आकर्षण के पीछे सबसे बड़ा कारण दुबई का टैक्स ढांचा है। दुबई में व्यक्तिगत आयकर नहीं है, जबकि भारत में उच्च आय वर्ग को 30 प्रतिशत तक टैक्स देना पड़ता है। यही कारण है कि कई लोग अपनी आय और संपत्ति को सुरक्षित रखने के लिए खाड़ी देशों में बसने का फैसला करते हैं। इसके अलावा दुबई का आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर, अंतर्राष्ट्रीय व्यापार केंद्र के रूप में पहचान और अपेक्षाकृत आसान कारोबारी नियम भी लोगों को आकर्षित करते रहे हैं। हालांकि, दुबई जाने का कारण केवल

टैक्स बचाना ही नहीं है। कई उद्योगपति और कारोबारी दुबई को वैश्विक व्यापार का प्रवेश द्वार मानते हैं। मध्य पूर्व, यूरोप और अफ्रीका के बीच स्थित होने के कारण दुबई व्यापार और लॉजिस्टिक्स के लिए एक रणनीतिक केंद्र बन चुका है। इसके अलावा दुबई में लग्जरी जीवनशैली, आधुनिक शहर, बेहतर परिवहन व्यवस्था और अपेक्षाकृत तेज प्रशासनिक प्रक्रियाएं भी आकर्षण का कारण हैं। कई भारतीय पेशेवर और उद्यमी मानते हैं कि दुबई में कारोबार शुरू करना और विस्तार करना भारत की तुलना में आसान और तेज है। लेकिन, हाल के समय में पश्चिम एशिया में बढ़ते भू-राजनीतिक तनावों ने इस आकर्षण पर सवाल खड़े कर दिए हैं।क्षेत्रीय संघर्षों और सुरक्षा संबंधी चिंताओं ने यह याद दिलाया है कि खाड़ी क्षेत्र पूरी तरह स्थिर नहीं है। जब भी पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ता है, तो वहां रहने वाले विदेशी नागरिकों की सुरक्षा और भविष्य को लेकर चिंता बढ़ जाती है। ऐसे समय में कई लोग यह महसूस करने लगते हैं कि आर्थिक लाभ के बावजूद किसी दूसरे देश में स्थायी रूप से बसना हमेशा सुरक्षित विकल्प नहीं होता। इसके विपरीत भारत एक बड़ा लोकतांत्रिक और अपेक्षाकृत स्थिर देश है। यहां मजबूत संस्थाएं, स्वतंत्र न्यायपालिका और लोकतांत्रिक व्यवस्था है, जो नागरिकों को दीर्घकालिक सुरक्षा और अधिकार प्रदान करती है। भारत की अर्थव्यवस्था भी तेजी से बढ़ रही है और निवेश तथा उद्यमिता के नए अवसर लगातार सामने आ रहे हैं। स्टार्टअप इकोसिस्टम, डिजिटल अर्थव्यवस्था और इंफ्रास्ट्रक्चर विकास ने देश को वैश्विक निवेश के लिए आकर्षक बना दिया है। ऐसे में कई विशेषज्ञ मानते हैं कि अल्पकालिक आर्थिक लाभ के लिए विदेश बसना हमेशा दीर्घकालिक रूप से सही फैसला नहीं होता।एक और महत्वपूर्ण पहलू सामाजिक और सांस्कृतिक जुड़ाव का है।

भारत छोड़कर विदेश में बसने वाले कई लोगों को समय के साथ यह महसूस होता है कि अपने समाज, संस्कृति और परिवार से दूर रहना आसान नहीं होता। दुबई जैसे देशों में भले ही भारतीय समुदाय बड़ा हो, लेकिन वहां की नागरिकता व्यवस्था और सामाजिक ढांचा अलग है। अधिकांश विदेशी नागरिकों को वहां स्थायी नागरिकता नहीं मिलती, जिससे उनका भविष्य हमेशा अनिश्चित बना रहता है।

हाल के वर्षों में यह भी देखने को मिला है कि कुछ लोग विदेश में रहने के बाद वापस भारत लौटने का निर्णय ले रहे हैं।

सगे भाई ने ही भाई की ली जान

कहासुनी बनी खूनखराबा

जामा मस्जिद से लौटते वक्त हुआ विवाद, सीने पर वार से छोटे भाई की मौत

रिश्तों का कत्ल

स्वराज इंडिया ब्यूरो

शिवराजपुर (कानपुर)। रिश्तों की डोर उस वक्त खून में रंग गई, जब सगे भाइयों के बीच हुआ मामूली विवाद जानलेवा बन गया। रविवार शाम एक बड़े भाई ने अपने ही छोटे भाई को इतनी बेरहमी से पीटा कि उसकी जान चली गई। घटना के बाद पूरे इलाके में सनसनी फैल गई, वहीं परिवार की खुशियां मातम में बदल गईं।

मामला शिवराजपुर थाना क्षेत्र के वार्ड नंबर-10 स्थित मुख्तार अनीश नगर मोहल्ले का है। मृतक की पत्नी सबीना के मुताबिक, उनके पति मोहम्मद इखलाक उर्फ फारूक रविवार शाम करीब छह बजे जामा मस्जिद में पानी भरने गए थे। घर लौटते समय उनका अपने बड़े भाई मोहम्मद शमशाद से किसी बात को लेकर विवाद हो गया। देखते ही देखते यह कहासुनी हिंसा में बदल गई। आरोप है कि शमशाद ने इखलाक पर ताबड़तोड़ हमला कर दिया और बुरी तरह पीटा। मारपीट के दौरान इखलाक के सीने में गंभीर चोटें आईं। शोर-शराबा सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे, लेकिन तब तक आरोपी फरार हो चुका था।

परिजन घायल इखलाक को तुरंत सीएचसी शिवराजपुर लेकर पहुंचे। हालत गंभीर होने पर डॉक्टरों ने उन्हें हैलट अस्पताल, कानपुर रेफर कर दिया। परिजन उन्हें लेकर अस्पताल जा रहे थे, लेकिन रास्ते में ही इखलाक ने दम तोड़ दिया। अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। मृतक की पत्नी की तहरीर पर आरोपी बड़े भाई के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज किया गया। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

आरोपी बड़ा भाई शमशाम पुलिस की गिरफ्त में

मृतक मोहम्मद इखलाक उर्फ़ फारुख

- सगे भाइयों के बीच मामूली विवाद ने लिया खौफनाक रूप
- बड़े भाई पर छोटे भाई को पीट-पीटकर मार डालने का आरोप
- सीने में गंभीर चोटें बनी मौत की वजह
- अस्पताल ले जाते समय रास्ते में तोड़ा दम
- पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर भेजा जेल
- रमजान में ईद से पहले परिवार में पसरा मातम

ईद की खुशियों पर छाया मातम

रमजान के पाक महीने में जहां घर में ईद की तैयारियां चल रही थीं, वहीं इस खौफनाक वारदात ने पूरे परिवार को तोड़कर रख दिया। पत्नी सबीना का रो-रोकर बुरा हाल है। बच्चों और परिजनों पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। मोहल्ले में भी सन्नाटा पसरा हुआ है और हर आंख नम है। यह घटना एक बार फिर सवाल खड़ा करता है कि क्या गुस्सा और आपसी विवाद अब रिश्तों से भी बड़ा हो गया है?

चूल्हे की चिंगारी से लगी आग मजदूर का आशियाना राख

स्वराज इंडिया ब्यूरो

चौबेपुर/बिल्हौर(कानपुर)। थाना क्षेत्र के छोटी मनोह गांव में सोमवार दोपहर चूल्हे की चिंगारी से लगी आग ने एक गरीब परिवार का सब कुछ तबाह कर दिया। तेज हवा के चलते आग ने देखते ही देखते पूरे कच्चे घर को अपनी चपेट में ले लिया, जिससे गृहस्थी का सारा सामान जलकर राख हो गया।

गांव के पुरवा निवासी बाबू ने बताया कि वह मजदूरी और खेती कर परिवार का भरण-पोषण करता है। सोमवार सुबह उसकी पत्नी विनीता खाना बनाने के बाद चूल्हे में राख दबाकर पति के साथ खेतों में आलू खुदाई करने चली गई थी। इस दौरान घर पर छोटे बच्चे मौजूद थे। दोपहर में अचानक चूल्हे से निकली चिंगारी तेज हवा के साथ छप्पर में जा लगी, जिससे घर में आग भड़क उठी।

- ग्रामीणों के खेतों में होने के कारण तुरंत मदद नहीं मिल सकी

बच्चों ने किसी तरह बाहर निकलकर शोर मचाया, लेकिन अधिकतर ग्रामीण खेतों में होने के कारण तुरंत मदद नहीं मिल सकी।

कुछ देर बाद ग्रामीण मौके पर पहुंचे और आग बुझाने का प्रयास करते हुए पुलिस व फायर ब्रिगेड को सूचना दी। हालांकि, दमकल के देर से पहुंचने तक घर में रखा अनाज, कपड़े और अन्य जरूरी सामान पूरी तरह जल चुका था। आग की इस घटना के बाद परिवार के सामने रोजमर्रा की जरूरतों का संकट खड़ा हो गया है। ग्रामीणों ने प्रशासन से पीड़ित परिवार को आर्थिक सहायता दिलाने की मांग की है।

बिल्हौर नगर पालिका में पांच सभासद मनोनीत, विधायक ने दी बधाई

ओमी कुशवाहा।

अनुज अवस्थी।

रामनारायण गुप्ता।

विपिन प्रजापति।

सुनीता कटियार।

स्वराज इंडिया ब्यूरो

बिल्हौर (कानपुर)। उत्तर प्रदेश शासन के नगर विकास विभाग, लखनऊ ने नगर पालिका परिषद बिल्हौर के लिए पांच सभासदों के मनोनयन की आधिकारिक घोषणा कर दी है। सूची जारी होते ही कस्बे में राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई और भाजपा कार्यकर्ताओं व समर्थकों में उत्साह का माहौल नजर आया। शासन द्वारा जारी सूची में ओमी कुशवाहा, विपिन प्रजापति , रामनारायण गुप्ता, सुनीता कटियार और अनुज अवस्थी को मनोनीत सभासद बनाया गया है। सभी मनोनीत सदस्य कस्बा बिल्हौर के निवासी हैं और लंबे समय से सामाजिक व राजनीतिक गतिविधियों में सक्रिय रहे हैं।

मनोनीत सभासदों की सूची में अनुभव और युवाओं का संतुलित समावेश साफ तौर पर दिखाई देता है। ओमी कुशवाहा जैसे जमीनी स्तर पर सक्रिय और पुराने कार्यकर्ता

- शासन से लिस्ट जारी होने के बाद समर्थकों ने मिठाई बांटी
- अनुभवी व युवा चेहरों का संतुलन- कार्यकर्ताओं में खुशी की लहर

को जहां जगह मिली है, वहीं भाजपा युवा मोर्चा के ज़िला मंत्री अनुज अवस्थी जैसे युवा चेहरे को मौका देकर नई पीढ़ी को नेतृत्व में भागीदारी का संकेत दिया गया है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यह कदम संगठन को जमीनी स्तर पर और अधिक सशक्त बनाने की दिशा में अहम साबित हो सकता है। घोषणा के बाद कस्बे के विभिन्न इलाकों में समर्थकों ने मिठाई बांटकर खुशी का इजहार किया। कई स्थानों पर कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे को बधाई दी और प्रदेश नेतृत्व के निर्णय का स्वागत करते हुए इसे क्षेत्र के विकास के लिए सकारात्मक कदम बताया।सभी नव-नामित सदस्यों को क्षेत्रीय विधायक राहुल बच्चा सोनकर व स्थानीय नेताओं एवं पदाधिकारी ने बधाई दी है। स्थानीय लोगों को उम्मीद है कि ये नए नगर के विकास कार्यों को गति देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

सदन की कार्यवाही में शामिल हो सकेंगे सदस्य

मनोनयन के बाद नए सदस्य सदन की कार्यवाही में शामिल हो सकेंगे। इनका कार्यकाल कितने साल का होगा, अधिसूचना में इसे स्पष्ट नहीं किया गया है। निर्वाचित पार्षदों की तरह इन्हें भी सदन में बैठने का अधिकार होता है और जनहित के मुद्दों पर इनसे राय ली जाती है। नगर निगम प्रशासन चाहे तो अध्यक्ष के सुझाव पर विकास निधि में नामित सदस्यों का कोटा भी तय कर सकता है। इनके सुझाव के आधार पर विकास कार्य कराए जाते हैं।

मॉर्निंग वॉक पर निकले पूर्व पार्षद की हत्या, घेरकर चाकू और गोली से हमला

» 300 मीटर तक भागते रहे, हमलावरों ने पीछा कर किया दोबारा वार, मौत की पुष्टि तक मौके पर खड़े रहे आरोपी

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

गोरखपुर। उत्तर प्रदेश के गोरखपुर जिले में मंगलवार सुबह एक पूर्व पार्षद की हत्या से सनसनी फैल गई। चिलुआताल थाना क्षेत्र के बरगदवा इलाके में मॉर्निंग वॉक पर निकले पूर्व पार्षद राजकुमार चौहान पर घात लगाकर बैठे हमलावरों ने हमला कर दिया। इस घटना से पूरे क्षेत्र में भय और आक्रोश का माहौल है।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, चार से छह हमलावर पहले से ही मौके पर मौजूद थे। जैसे ही राजकुमार चौहान वहां पहुंचे, आरोपियों ने उन्हें घेर लिया और चाकू तथा फायरिंग से हमला कर दिया। जान बचाने के लिए वह करीब 300 मीटर तक दौड़े, लेकिन हमलावरों ने पीछा कर उन्हें दोबारा पकड़ लिया और सिर, सीने व हाथ पर कई वार किए।

बताया जा रहा है कि हमलावर वारदात को अंजाम देने के बाद कुछ देर तक मौके पर ही रुके रहे और उनकी मौत का इंतजार करते रहे। जब उन्हें यकीन हो गया कि राजकुमार चौहान की मृत्यु हो चुकी है, तब सभी आरोपी वहां से फरार हो गए। घटना की सूचना मिलते ही परिजन मौके पर पहुंचे और घायल अवस्था में उन्हें बीआरडी मेडिकल कॉलेज ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने घटनास्थल से गोली के खोखे भी बरामद किए हैं।प्राथमिक जांच में सामने आया है कि यह पूरी वारदात सुनियोजित थी। हमलावर अपनी गाड़ी कुछ दूरी पर खड़ी कर पैदल घटनास्थल तक पहुंचे थे। पुलिस आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है और कुछ संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। साथ ही मोबाइल कॉल डिटेल और पुरानी रंजिश के एंगल से भी जांच की जा रही है।घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे। एसपी नॉर्थ ने बताया कि आरोपियों की पहचान कर जल्द गिरफ्तारी के लिए टीमें गठित की गई हैं। उधर, घटना से नाराज लोगों ने सड़क जाम कर विरोध प्रदर्शन किया, जिन्हें पुलिस द्वारा समझाने का प्रयास किया जा रहा है। फिलहाल इस सनसनीखेज वारदात के बाद इलाके में दहशत का माहौल है और लोग खुद को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। पुलिस का दावा है कि जल्द ही मामले का खुलासा कर आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

सास-साले की हत्या करने वाला पुलिस एनकाउंटर में मारा गया

» पत्नी के साथ जाने से इनकार पर भड़का आरोपी, चाकू से हमला

» फरारी के बाद पुलिस से मुठभेड़, एक सिपाही भी हुआ घायल

» स्वराज इंडिया ब्यूरो

स्वराज इंडिया ब्यूरो

बरेली। उत्तर प्रदेश के बरेली जिले के इज्जतनगर थाना क्षेत्र के रहपुरा चौधरी इलाके में पारिवारिक विवाद ने खूनी रूप ले लिया। यहां एक दामाद ने अपनी ही ससुराल में घुसकर सास और साले की चाकुओं से गोदकर निर्मम हत्या कर दी, जबकि पत्नी को गंभीर रूप से घायल कर दिया। इस दोहरे हत्याकांड के बाद पूरे इलाके में दहशत और सनसनी फैल गई।

जानकारी के मुताबिक आरोपी अफसर खान अपनी पत्नी सायमा को वापस ले जाने के लिए ससुराल पहुंचा था। लेकिन पत्नी ने उसके साथ जाने से साफ इनकार कर दिया और उसके व्यवहार में सुधार की बात कही। इस दौरान सास आसमां और साला आदिल ने भी बेटी का पक्ष लिया। इसी बात से आक्रोशित होकर अफसर खान ने अपना आपा खो दिया और चाकू से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। हमले में सास आसमां और साले आदिल की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि पत्नी सायमा गंभीर रूप से घायल हो गई। उसे तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसका इलाज जारी है और उसकी हालत नाजुक बताई जा रही है।

घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया। पुलिस ने तत्काल उसकी तलाश शुरू की और मंगलवार तड़के सहारा ग्राउंड के पास उसे घेर लिया। खुद को पुलिस से घिरा देख आरोपी ने फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने भी गोली चलाई, जिसमें अफसर खान को दो गोलियां लगीं। गंभीर हालत में उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इस मुठभेड़ में एक पुलिसकर्मी भी घायल हुआ है।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, आरोपी का आपराधिक इतिहास भी सामने आया है। वर्ष 2004 में उसने अपने ही मामा की हत्या की थी, जिसके चलते वह लंबे समय तक जेल में रहा। जमानत पर बाहर आने के बाद वर्ष 2017 में उसने अपनी चचेरी बहन से निकाह किया था। शादी के बाद से ही दोनों के बीच अक्सर विवाद होते रहते थे और कई बार पंचायत भी बैठ चुकी थी।

चंद्रशेखर आजाद 'रावण' के बयान से सियासी पारा हाई

करणी सेना की चुनौती के बीच तीखा पलटवार, मंच से दी कड़ी चेतावनी

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

लखनऊ। चंद्रशेखर आजाद, आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) के अध्यक्ष और नगीना से सांसद, इन दिनों अपने बयानों को लेकर सुर्खियों में हैं। लखनऊ और बाराबंकी में आयोजित कार्यक्रमों के दौरान उन्होंने विरोधियों पर तीखा हमला बोला, जिससे प्रदेश की राजनीति में हलचल तेज हो गई है।

दरअसल, विवाद की शुरुआत तब हुई जब करणी सेना के प्रदेश महामंत्री अभिनव सिंह ने सोशल मीडिया पर वीडियो जारी कर चंद्रशेखर को बाराबंकी आने से रोकने की चेतावनी दी थी।

इसके जवाब में चंद्रशेखर आजाद ने बिना नाम लिए मंच से कड़े शब्दों में पलटवार किया और कहा कि वे संविधान में विश्वास रखते हैं, लेकिन कमजोर नहीं हैं।

उन्होंने अपने भाषण में कहा कि वे हर तरह से जवाब देना जानते हैं और किसी की धमकी से डरने वाले नहीं हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि उनके काफिले पर पत्थर फेंकने की कोशिश की गई थी, जिससे तनाव और बढ़ गया।इस पूरे घटनाक्रम के बीच बाराबंकी में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई थी।

पुलिस प्रशासन अलर्ट मोड पर रहा और कार्यक्रम शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराया गया।वहीं, चंद्रशेखर आजाद ने आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर भी बड़ा संकेत दिया।

उन्होंने स्पष्ट किया कि उनकी पार्टी भाजपा को छोड़कर किसी भी दल के साथ गठबंधन के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि अंतिम फैसला पार्टी की कार्यसमिति करेगी, लेकिन वैचारिक मतभेद के चलते भाजपा के साथ गठबंधन संभव नहीं है।इस बयानबाजी के बाद प्रदेश की राजनीति में नई गोलबंदी की चर्चाएं तेज हो गई हैं।

हाईवे पर वाहनों की स्पीड कम करने के लिए एक्शन शुरू

» 18 जिग़-जैग ड्रमों पर रेडियम स्टीकर लगाए गए

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

फर्रुखाबाद द्य अमृतपुर तहसील क्षेत्र में सड़क हादसों को लेकर आसपास के लोग काफी परेशान थे और आए दिन थाना क्षेत्र में दुर्घटनाओं में लोगों की जान जा रही है। इस समस्या को हल करने के लिए पुलिस प्रशासन द्वारा 18 जिग़ जग ड्रमों पर रेडियम स्टीकर लगाने का कार्य पूरा कर लिया है। इटावा बरेली हाईवे पर दुर्घटनाओं की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। तेज रफ्तार वाहनों की गति को धीमा करने के लिए पुलिस प्रशासन ने जो कदम उठाया है उससे इन दुघटनाओं को कम करने में सहायता मिलेगी। पुलिस अधीक्षक आरती सिंह के निर्देश पर राजेपुर थाना पुलिस ने इटावा-बरेली हाईवे पर तेज रफ्तार वाहनों पर नियंत्रण के लिए जिग-जैग ड्रम लगवाए हैं।राजेपुर थाना क्षेत्र के इटावा-बरेली हाईवे स्थित जमापुर चौराहे पर 18 जिग-जैग ड्रमों पर रेडियम स्टीकर लगाकर सड़क पर रखवाए गए हैं। इन ड्रमों पर रेडियम लगाए जाने से रात के समय वाहन चालकों को दूर से संकेत मिल सकेगा और वे समय रहते अपनी गति धीमी कर सकेंगे। जमापुर चौराहे पर 6 जिग-जैग ड्रम, डबरी चेक पोस्ट के पास 6 ड्रम तथा निविया चौराहे पर भी 6 जिग-जैग ड्रम लगाए गए हैं।इस हाईवे पर तेज रफ्तार के कारण आए दिन सड़क दुर्घटनाएं हो रही थीं। इस को ध्यान में रखते हुए पुलिस ने यह व्यवस्था लागू की है, ताकि वाहन चालक नियंत्रित गति से वाहन चलाएं और हादसों पर अंकुश लगाया जा सके।इस कार्य में थाना अध्यक्ष सहित अन्य पुलिसकर्मी मौजूद रहे।

प्रधान पति पर जमीन घोटाले का आरोप,फर्जी प्लॉटिंग से लाखों की ठगी

» खरीदारों ने लगाए ठगी के आरोप, बोले लाखों देने के बाद भी निकली सरकारी जमीन

»प्रधान पति पर निजी व ग्राम पंचायत की भूमि बेचने का आरोप, जांच में कब्जे की पुष्टि

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। पनकी थाना क्षेत्र अंतर्गत पनका बहादुर नगर में सरकारी और निजी भूमि की अवैध प्लॉटिंग का बड़ा मामला सामने आया है। यहां प्रधान पति समेत अन्य लोगों पर फर्जी तरीके से जमीन कब्जाकर बेचने का आरोप लगा है।

शिकायतकर्ता राजेश कुमार तिवारी ने उप जिलाधिकारी सदर से शिकायत करते हुए आरोप लगाया कि ग्राम पंचायत के प्रधान पति विनोद कुशवाहा, उनके भाई प्रमोद कुशवाहा और उनके सहयोगी दिनेश कुशवाहा ने उनकी पैतृक भूमि पर कब्जा कर उसे बेच दिया। साथ ही ग्राम पंचायत की खरिहान में दर्ज सरकारी भूमि को भी प्लॉटिंग कर लाखों रुपये में बेचने का आरोप लगाया गया।

मामले की जांच के लिए पहुंचे लेखपाल प्रतीक कुमार ने मौके पर जांच के दौरान शिकायतकर्ता की जमीन पर कब्जा और करीब 366 गज सरकारी भूमि पर अवैध निर्माण पाया। पूछताछ में कई निर्माणकर्ताओं ने बताया कि उन्हें यह जमीन प्रधान पति और उनके सहयोगियों द्वारा बेची गई थी।ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि क्षेत्र में लंबे समय से तालाब, ऊसर और बंजर जैसी सरकारी जमीनों पर कब्जा कर प्लॉटिंग का खेल चल रहा है, जिसमें भूमाफियाओं ने जमकर कमाई की है।वहीं जमीन खरीदने वाले कुसमा देवी, नम्रता देवी और गजेंद्र कुमार ने कहा कि उन्होंने लाखों रुपये देकर प्लॉट खरीदे थे, लेकिन अब जांच में जमीन सरकारी निकलने से वे परेशान हैं। पीड़ितों ने जिलाधिकारी और मुख्यमंत्री से न्याय की गुहार लगाई है।लेखपाल ने बताया कि जांच रिपोर्ट उच्च अधिकारियों को भेजी जा रही है, जिसके आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

सड़क हादसे में युवक की मौत, पुलिस ने दर्ज की रिपोर्ट

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। बरौर क्षेत्र के कैलई गांव निवासी संजय सचान ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि उनका 22 वर्षीय पुत्र अमित सचान 12 मार्च की शाम करीब साढ़े आठ बजे अपने मित्र सचिन यादव के साथ बाइक से पटेल चौक पुखरायां की ओर जा रहा था। बाइक को सचिन यादव चला रहा था और अमित पीछे बैठा हुआ था।बताया गया कि पुखरायां मेन रोड पर सुआ बाबा मंदिर के सामने विपरीत दिशा से आ रही दूसरी बाइक ने जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही अमित सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल अवस्था में उसे तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) पुखरायां ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर देखते हुए डॉक्टरों ने उसे मेडिकल कॉलेज के लिए रेफर कर दिया। परिजनों के अनुसार मेडिकल कॉलेज ले जाते समय रास्ते में ही अमित की मौत हो गई। पुखरायां चौकी इंचार्ज अमरेन्द्र प्रताप सिंह ने बताया कि मामले में दुर्घटना की रिपोर्ट दर्ज कर ली

युवतियों का वीडियो बनाकर इंस्टाग्राम पर डाला, सब्जी विक्रेता गिरफ्तार

सब्जी खरीदने के दौरान बनाया वीडियो अश्लील गाने डालकर वायरल किया

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। भोगनीपुर कोतवाली क्षेत्र के डींघ गांव में दो युवतियों का वीडियो बनाकर उसे अश्लील गाने के साथ इंस्टाग्राम पर पोस्ट करना एक युवक को भारी पड़ गया। पुलिस ने मामले में कार्रवाई करते हुए आरोपी सब्जी विक्रेता को गिरफ्तार कर लिया है। वायरल वीडियो की पुष्टि स्वराज इंडिया नहीं करता है।

पीड़ित पक्ष के अनुसार, कोतवाली क्षेत्र के एक गांव की युवती

अपनी बहन और बाबा के साथ डींघ गांव की बाजार में सब्जी खरीदने गई थी।

इसी दौरान बाजार में सब्जी की दुकान लगाने वाले मोहम्मदपुर गांव निवासी इमरान राईन ने चोरी-छिपे अपने मोबाइल फोन से दोनों बहनों का वीडियो बना लिया। आरोप है कि बाद में आरोपी ने उस वीडियो को अश्लील गाने के साथ सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर दिया।

वीडियो सोशल मीडिया पर आने के बाद मामला संज्ञान में आया तो पीड़ित परिवार ने पुलिस से शिकायत की। शिकायत के आधार पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच

शुरू कर दी। देवीपुर चौकी इंचार्ज अतेन्द्र कुमार ने बताया कि युवतियों की तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर आरोपी इमरान राईन को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस मामले की आगे की जांच कर रही है।

जमवाय माता मंदिर में हुआ भव्य जागरण, रातभर गूंजते रहे जयकारे

हजारों श्रद्धालुओं की उमड़ी भीड़, माता के भजनों पर झूमे भक्त

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। मलासा गांव स्थित जमवाय माता मंदिर में सोमवार रात आयोजित भव्य माता जागरण में भक्ति का अद्भुत माहौल देखने को मिला। रातभर चले इस धार्मिक आयोजन में आसपास के गांवों से हजारों की संख्या में श्रद्धालु और महिलाएं शामिल हुईं। माता के जयकारों और भजनों से मंदिर परिसर देर रात तक गूंजता रहा, जबकि भक्त भक्ति की धुन पर झूमते नजर आए।

जागरण कार्यक्रम की शुरुआत विधि-विधान के साथ माता के पूजन-अर्चन से की गई। इसके बाद भजन संध्या का क्रम देर रात तक चलता रहा। मंदिर परिसर को आकर्षक रोशनी और रंग-बिरंगी सजावट से सजाया गया था। इस धार्मिक आयोजन को सफल बनाने में गांव की महिलाओं ने भी बढ़-चढ़कर भागीदारी निभाई।

महिलाओं ने जागरण की व्यवस्था, भजन-कीर्तन और प्रसाद वितरण में सक्रिय सहयोग दिया। ग्रामीणों का कहना है कि ऐसे आयोजन गांव में धार्मिक आस्था के साथ-साथ सामाजिक एकता और भाईचारे को भी मजबूत करते हैं।

जागरण में भजन गायिका शिवांगी सरगम ने अपनी मधुर आवाज में माता के भजन प्रस्तुत कर श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। उनके भजनों पर उपस्थित भक्त देर रात तक झूमते रहे। कार्यक्रम का संचालन शशांक शुक्ला ने किया, जबकि गीता देवी (मलासा) ने संचालिका की भूमिका निभाई। इसके अलावा अवधेश (कानपुर) और सुशील (कानपुर) ने भी भक्ति गीत प्रस्तुत कर श्रद्धालुओं का मन मोह लिया। गांव के आशुतोष, विपिन, प्रमोद, यशवंत, झल्लर, चंद्रमोहन, जगरनाथ, बीनू, अनिल, वीरू, धीरू , रवि सिंह (युवा आगामी प्रधान मलासा) सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे। सभी श्रद्धालुओं ने माता के दरबार में मत्था टेककर क्षेत्र की सुख-शांति और समृद्धि की कामना की।

भटकता मिला पांच वर्षीय बालक, पहचान नहीं हो सकी

पुलिस टीम बच्चे की फोटो लेकर आसपास के गांवों में पूछताछ कर रही

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। थाना बरौर क्षेत्र के ग्राम तारनपुर में सोमवार-मंगलवार की रात पुलिस गश्त के दौरान लगभग पांच वर्षीय एक बालक अकेला और घबराई हालत में भटकता हुआ मिला। पुलिस ने बच्चे को सुरक्षित थाना परिसर स्थित मिशन शक्ति केंद्र में रखा है और उसके परिजनों की तलाश की जा रही है। खबर लिखे जाने तक बच्चे की पहचान नहीं हो सकी थी।जानकारी के अनुसार देर रात गश्त और चेकिंग के दौरान ग्राम तारनपुर के चौकीदार ने थानाध्यक्ष बरौर को फोन कर सूचना दी कि गांव में एक छोटा बच्चा अकेला घूम रहा है और काफी डरा हुआ है। सूचना मिलते ही थानाध्यक्ष पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और बच्चे को अपने संरक्षण में लिया। पुलिस ने ग्रामीणों से बच्चे की पहचान कराने का प्रयास किया, लेकिन पहचान नहीं हो सकी। बालक अपने बारे में कोई जानकारी नहीं दे पा रहा है। इसके बाद पुलिस बच्चे को अपने साथ थाना ले आई और उसे सुरक्षित मिशन शक्ति केंद्र में रखा गया है। मामले की जानकारी उच्चाधिकारियों के साथ-साथ चाइल्ड हेल्पलाइन कानपुर देहात को भी दे दी गई है।

पुलिस टीम बच्चे की फोटो लेकर आसपास के गांवों में पूछताछ कर रही है, ताकि उसके परिजनों का पता लगाया जा सके। फिलहाल अभी तक कोई सुराग नहीं मिल पाया है। पुलिस ने आम लोगों से अपील की है कि यदि किसी को बच्चे के बारे में कोई जानकारी हो तो थाना बरौर के संपर्क नंबर 9454403692 पर सूचना दें, ताकि बच्चे को उसके परिजनों से सकुशल मिलाया जा सके।

बाइक सवार बदमाशों ने महिला से छीने जेवर

» कान का बाला और अंगूठी लेकर फरार, पुलिस कर रही तलाश

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। भोगनीपुर कोतवाली क्षेत्र में बाइक सवार बदमाशों ने दिनदहाड़े एक महिला से जेवर छीनकर फरार हो गए। घटना से क्षेत्र में दहशत फैल गई। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है।

भोगनीपुर कोतवाली क्षेत्र के अटवा गांव निवासी देवेंद्र सिंह ने कोतवाली में दी गई तहरीर में बताया कि वह अपनी पत्नी और बच्चे के साथ मोटरसाइकिल से अपनी ससुराल जा रहा था। रास्ते में जब वह जुनेदपुर गांव के पास पहुंचा, तभी पीछे से बाइक सवार दो युवक तेजी से आए और उनकी बाइक के पास लग गए। आरोप है कि युवकों ने मौका पाकर देवेंद्र की पत्नी के कान से सोने का बाला और हाथ की अंगूठी झपट ली। घटना इतनी तेजी से हुई कि वह कुछ समझ पाते, इससे पहले ही दोनों आरोपी बाइक से फरार हो गए। अचानक हुई घटना से महिला घबरा गई और परिवार में अफरा-तफरी मच गई।पीड़ित ने घटना की सूचना पुलिस को दी और कोतवाली पहुंचकर तहरीर दी। मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस ने अज्ञात युवकों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। भोगनीपुर कोतवाल सतीश कुमार सिंह ने बताया कि पीड़ित की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। आसपास के क्षेत्रों में जांच की जा रही है और आरोपियों की पहचान कर जल्द गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं।

तीन बेटों की मौत से टूटा परिवार

हादसे के बाद शव रखकर उग्र प्रदर्शन

» रूरा-शिवली मार्ग पर रुका यातायात, दो किमी तक लगी वाहनों की कतार

» मौके पर पहुंचे मंत्री व प्रशासनिक अधिकारी, गुस्साए लोगों से की बातचीत

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। रूरा-शिवली मार्ग पर सड़क हादसे में एक ही परिवार के तीन युवकों की मौत सेआक्रोशित परिजनों और ग्रामीणों ने मंगलवार सुबह जमकर हंगामा किया। गुस्साए लोगों ने एक युवक का शव सड़क पर रखकर कई स्थानों पर जाम लगा दिया, जिससे पूरे इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। करीब दो किलोमीटर तक वाहनों की लंबी कतार लग गई और राहगीरों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। परिजन पीड़ित परिवार के लिए आर्थिक सहायता, आवास और जमीन का पट्टा देने की मांग पर अड़े रहे। सूचना मिलते ही कई थानों की पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे और लोगों को समझाने का प्रयास किया, लेकिन काफी देर तक जाम नहीं खुल सका।

FOLLOW UP

जानकारी के अनुसार शिवली थाना क्षेत्र के जुगरागपुर गांव निवासी अनुराग पाल, सुमित पाल और रूपेंद्र पाल बीते शनिवार को अपने मित्र प्रियांक की शादी में शामिल होने के लिए रूरा थाना क्षेत्र के तिगाई गांव स्थित एक गेस्ट हाउस गए थे। देर रात समारोह से वापस लौटते समय गहलों गांव के पास उनकी बाइक को तेज रफ्तार डंपर ने जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि रूपेंद्र पाल की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि गंभीर रूप से घायल अनुराग पाल ने अस्पताल ले जाते समय रास्ते में दम तोड़ दिया। हादसे में तीसरे युवक सुमित पाल गंभीर रूप से घायल हो गए थे, जिन्हें कानपुर के अस्पताल में भर्ती कराया गया था। जहांसोमवार शाम उसकी भी मौत हो गई। इस घटना के बाद गांव में शोक और मातम का माहौल छा गया।

शव गांव पहुंचते ही फूटा ग्रामीणों का गुस्सा

सोमवार देर रात पोस्टमार्टम के बाद सुमित का शव जब गांव पहुंचा तो परिवार के लोगों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई। मंगलवार सुबह करीब आठ बजे बड़ी संख्या में ग्रामीण और परिजन एकत्र हो गए और गुस्से में आकर शव को सड़क पर रखकर रूराङ्कशिवली मार्ग जाम कर दिया। ग्रामीणों ने देवीपुर गांव के सामने, जुगरागपुर के सामने तथा गहलों-काशीपुर मार्ग पर भी रास्ता रोक दिया, जिससे यातायात पूरी तरह ठप हो गया। जाम की सूचना मिलते ही रूरा, शिवली और रसूलाबाद थानों की पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित करने का प्रयास किया। इसके बाद उपजिलाधिकारी मैथा राजकुमार पांडेय भी घटनास्थल पर पहुंचे। घटना की जानकारी मिलते ही राज्यमंत्री प्रतिभा शुक्ला और पूर्व सांसद अनिल शुक्ल वारसी भी मौके पर पहुंचे और परिजनों से बातचीत कर उन्हें समझाने का प्रयास किया। अधिकारियों ने हर संभव मदद का आश्वासन दिया, लेकिन परिजन अपनी मांगों को लेकर अड़े रहे।

'बम थ्रेट' से मचा हड़कंप, मॉक ड्रिल में सुरक्षा एजेंसियों ने दिखाई मुस्तैदी

» गजनेर क्षेत्र स्थित एचपीसीएल डिपो में हुआ अभ्यास

» बम निरोधक दस्ता व डॉग स्क्वायड ने संभाली कमान

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात (माती)। गजनेर क्षेत्र के गोगूमऊ स्थित हिंदुस्तान पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) डिपो परिसर में सोमवार को सुरक्षा व्यवस्थाओं की परख के लिए बम थ्रेट मॉक ड्रिल आयोजित की गई। इस अभ्यास के दौरान कुछ समय के लिए पूरे क्षेत्र में हलचल मच गई, वहीं सुरक्षा एजेंसियों की तत्परता और दक्षता भी प्रभावी रूप से सामने आई।

दोपहर करीब 2:55 बजे डिपो के सुरक्षा कर्मियों ने टर्मिनल के पास संदिग्ध बम होने की सूचना मुख्य सुरक्षा अधिकारी नीलाभ सोनी को दी। सूचना मिलते ही तत्काल कार्रवाई शुरू हुई और कानपुर से बम निरोधक दस्ता व डॉग स्क्वायड मौके पर पहुंच गया। टीमों ने पूरे क्षेत्र की घेराबंदी कर सघन तलाशी अभियान चलाया। अत्यधिक सतर्कता और सूझबूझ के साथ संदिग्ध वस्तु की जांच की गई तथा एहतियातन पूरे परिसर को सील कर दिया गया। इसके बाद बम निरोधक दस्ते ने सफलतापूर्वक बम को निष्क्रिय कर स्थिति को पूरी तरह नियंत्रित कर लिया। संदिग्ध वस्तु को अपने साथ ले जाकर संभावित खतरे को समाप्त किया गया। बल्कि आपात स्थिति में त्वरित और प्रभावी कार्रवाई के लिए संबंधित एजेंसियों की तैयारियों को भी मजबूत करने का संदेश दिया। मॉक ड्रिल के दौरान विभिन्न विभागों के अधिकारियों के बीच बेहतर समन्वय और त्वरित प्रतिक्रिया देखने को मिली। इस अवसर पर महाप्रबंधक प्रताप कुमार, परिचालन अधिकारी यश कालरा, सुरक्षा अधिकारी अजीत शाह, अनुपम सहित थाना प्रभारी सूर्य प्रताप सिंह व अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

● मॉक ड्रिल में क्या-क्या होता है

संदिग्ध वस्तु या खतरे की सूचना का सिमुलेशन (काल्पनिक स्थिति बनाना)

- सुरक्षा कर्मियों द्वारा तत्काल सूचना का संप्रेषण
- बम निरोधक दस्ता और डॉग स्क्वायड की त्वरित तैनाती
- पूरे क्षेत्र की घेराबंदी और लोगों की सुरक्षित निकासी
- संदिग्ध वस्तु की पहचान और तकनीकी जांच
- बम को निष्क्रिय करने की प्रक्रिया (डिफ्यूजल)
- आपातकालीन सेवाओं (पुलिस, फायर, मेडिकल) का समन्वय
- घटना के बाद स्थिति का आकलन और रिपोर्ट तैयार करना

सपा के राष्ट्रीय सचिव की भाभी के निधन पर जताया शोक

» स्वराज इंडिया ब्यूरो

कानपुर देहात माती। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव एवं पूर्व सांसद राजा रामपाल जी की भाभी का निधन हो जाने से क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। सपा कानपुर देहात के पूर्व जिलाध्यक्ष वीर सेन यादव, वरिष्ठ नेता फजल महमूद, देहात जिलाध्यक्ष अरुण कुमार बबलू, कानपुर ग्रामीण के उपाध्यक्ष रघुनाथ सिंह यादव, घाटमपुर विधानसभा क्षेत्र से अनिल सोनकर, वारसी राजू वर्मा, विधानसभा अध्यक्ष घाटमपुर डॉ. कृपा शंकर सचान, पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ के प्रदेश सचिव बनारसी बाबू पाल, कैप्टन रामशंकर प्रजापति, राजेश पांडे आदि ने शोक जताया।

नन्हे रोजेदारों ने रखा रोजा, बड़ों ने बढ़ाया हौसला

रमजान का आखिरी अशरा जारी, बच्चों में भी इबादत का उत्साह

» स्वराज इंडिया ब्यूरो

रसूलाबाद, कानपुर देहात। मुकद्दस माह ए रमजान अपने अंतिम पड़ाव पर है और तीसरा अशरा चल रहा है। इसी के साथ ईद-उल-फितर का त्योहार भी नजदीक आ गया है। शुक्रवार या शनिवार को ईद मनाए जाने की संभावना के बीच पूरे क्षेत्र में रमजान की रौनक साफ दिखाई दे रही है। खास बात यह है कि इस बार नौनिहाल बच्चों में भी रोजा रखने को लेकर जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है।

रमजान के इस पवित्र महीने में बड़े ही नहीं बल्कि छोटे-छोटे बच्चे भी पूरे जोश के साथ रोजा रखकर अल्लाह की इबादत में शामिल हो रहे हैं। उनके इस जज्बे को देखकर घर-परिवार के लोग भी काफी खुश हैं और उनका हौसला बढ़ा रहे हैं। परिवार के सदस्य बच्चों के साथ बैठकर रोजा इफ्तार कर रहे हैं और मुल्क में अमन-चैन की दुआएं मांग रहे हैं।

रसूलाबाद क्षेत्र में रमजान के चलते खास चहल-पहल देखने को मिल रही है। ईद के नजदीक आते ही बाजार भी गुलजार होने लगे हैं। कपड़ों, सेवइयों और अन्य सामान की खरीदारी के लिए लोग बाजार पहुंच रहे हैं। वहीं बच्चों में रोजा रखने की उमंग सबसे अधिक दिखाई दे रही है। कस्बे के कबीर नगर निवासी सभासद हाशिम खान के 7 वर्षीय पुत्र हम्माद खान ने इस बार अपना पहला रोजा रखा। हम्माद को रोजा रखते देख मोहल्ले के अन्य बच्चों ने भी उत्साह के साथ रोजा रखा। हम्माद की मां नाजरीन खान ने बताया कि जब बच्चे रोजा रखते हैं तो उनका खास ख्याल रखना पड़ता है।

औरैया मेडिकल कॉलेज के अधिकारियों की 'दादागिरी'

भगवतीपुर ट्रामा सेंटर के लिए भेजी गई 2 स्टाफ नर्सें अब तक रिलीव नहीं

» एडवोकेट विनोद कुमार ने मुख्यमंत्री सहित उच्च अधिकारियों को साक्ष्यों के साथ भेजी शिकायत, जांच न होने पर उच्च न्यायालय जाने की चेतावनी

»प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

औरैया। जनपद औरैया के भगवतीपुर स्थित ट्रामा सेंटर में स्टाफ की कमी को लेकर एक गंभीर मामला सामने आया है। शासन द्वारा तैनाती किए जाने के बावजूद 100 सैया युक्त चिकित्सालय की दो स्टाफ नर्सों को अब तक कार्यमुक्त न किए जाने का आरोप लगा है। इस मामले में एडवोकेट विनोद कुमार ने मुख्यमंत्री, मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव चिकित्सा स्वास्थ्य, महानिदेशक चिकित्सा स्वास्थ्य, आयुक्त कानपुर मंडल, जिलाधिकारी औरैया तथा मुख्य चिकित्सा अधिकारी को साक्ष्यों सहित शिकायत भेजकर जांच की मांग की है।

शिकायत में कहा गया है कि शासन की संयुक्त सचिव रचना गुप्ता द्वारा जारी सूची के अनुसार भगवतीपुर ट्रामा सेंटर में स्टाफ नर्स प्रीति सकवार और रजनी वर्मा की तैनाती की गई थी। इसके बावजूद दोनों नर्सों को अभी तक 100 सैया युक्त चिकित्सालय से कार्यमुक्त नहीं किया गया है। आरोप है कि दिखावे के लिए मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. जसवंत रत्नाकर ने पत्र जारी कर दोनों नर्सों को रिलीव करने का आदेश तो दिया, लेकिन व्यवहारिक रूप से उन्हें ट्रामा सेंटर में भेजा नहीं गया।

शिकायतकर्ता के अनुसार दोनों स्टाफ नर्सें अभी भी उसी अस्पताल में कार्य कर रही हैं और बायोमेट्रिक उपस्थिति दर्ज कर रही हैं। ऐसे में यह सवाल उठ रहा है कि जब उन्हें रिलीव करने का आदेश जारी किया गया था तो उनका वेतन और उपस्थिति किस आधार पर दर्ज हो रही है। इसे लेकर अस्पताल प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो गए हैं।

इस संबंध में मुख्य चिकित्सा अधिकारी औरैया द्वारा भी औरैया मेडिकल कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉ. मुकेश वीर को पत्र लिखकर दोनों स्टाफ नर्सों को तत्काल रिलीव कर भगवतीपुर ट्रामा सेंटर में ज्वाइन कराने के निर्देश दिए गए थे। हालांकि शिकायत में आरोप लगाया गया है कि इस आदेश पर भी कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई और मामला ठंडे बस्ते में डाल दिया गया।

एडवोकेट विनोद कुमार का कहना है कि भगवतीपुर ट्रामा सेंटर में स्टाफ न होने के कारण मरीजों को उपचार नहीं मिल पा रहा है और उन्हें वापस लौटना पड़ रहा है, जिससे जनहित प्रभावित हो रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि मेडिकल कॉलेज प्रशासन की ओर से विभिन्न स्तरों पर आदेशों की अनदेखी की जा रही है।

शिकायत में यह भी कहा गया है कि यदि शासन स्तर पर इस मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाए तो कई अधिकारियों की भूमिका सामने आ सकती है। विनोद कुमार ने चेतावनी दी है कि यदि एक सप्ताह के भीतर दोनों स्टाफ नर्सों को ट्रामा सेंटर में कार्यभार ग्रहण नहीं कराया गया तो वह जनहित में उच्च न्यायालय में याचिका दाखिल करेंगे। फिलहाल यह मामला औरैया जनपद में चर्चा का विषय बना हुआ है .

अधिकारियों की मनमानी पर उठे सवाल ?

इस पूरे मामले में औरैया मेडिकल कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉ. मुकेश वीर, 100 सैया युक्त चिकित्सालय के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. जसवंत रत्नाकर तथा मुख्य चिकित्सा अधिकारी औरैया की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो रहे हैं। आरोप है कि शासन के स्पष्ट आदेश और संयुक्त सचिव द्वारा जारी सूची के बावजूद दोनों स्टाफ नर्सों प्रीति सकवार और रजनी वर्मा को अब तक भगवतीपुर ट्रामा सेंटर के लिए कार्यमुक्त नहीं किया गया। शिकायतकर्ता का कहना है कि अधिकारियों द्वारा आदेशों का केवल औपचारिक पालन दिखाया गया, जबकि वास्तविक रूप से दोनों नर्सें अभी भी पुराने अस्पताल में कार्य कर रही हैं और बायोमेट्रिक उपस्थिति दर्ज कर रही हैं। इससे यह आरोप लग रहे हैं कि संबंधित अधिकारी शासन के निर्देशों की अनदेखी करते हुए अपनी मनमानी चला रहे हैं।

मैनपुरी डीएम के खिलाफ शिकायत पर एनएचआरसी में गोलमाल

1 साल से अधिक समय बाद एनएचआरसी के आदेश में दिखी घोर हिलाहवाली , एक डीएम के खिलाफ दूसरे डीएम को आदेश ने चौकाया

»प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

» जांच के नाम पर डीएम कानपुर को भेजा गया आदेश

» डीएम अंजनी कुमार हैं प्रमोटेड आईएएस, लेकिन न्याय की संस्था इन्हें बचा रहीं या गलती से आदेश हुआ यह जाँच का विषय

नई दिल्ली. डीएम की पॉवर के आगे क्या संवैधानिक संस्थाएं भी बौनी साबित हो रहीं ? या सत्ता की हनक के साथ पद पर काबिज़ डीएम मैनपुरी को बचाने के लिए बेजा आदेश जारी किये जा रहे ? यह मामला प्रमोटी आईएएस अंजनी कुमार सिंह के विरुद्ध एक शिकायत का है जिनमे इनकी असभ्यता और निजी अहम् में पाले अहंकार के चलते अंजनी कुमार सिंह ने फरियादी मां बेटी की शिकायत सुने बिना जेल भेज देने के आदेश दिए थे ! कहा चार डंडे मारो, जेल में डालो इनको। इस गैर जिम्मेदाराना और अंजनी कुमार सिंह के कुकृत्य के खिलाफ कानपुर की संस्था पीडब्ल्यूए के महासचिव पंकज कुमार सिंह ने एनएचआरसी में पीड़िताओं के न्याय के लिए याचिका दाखिल की थी।

शिकायत पर 1 साल से अधिक समय तक कोई कार्रवाई नहीं जब 1 साल बाद एनएचआरसी कोर्ट से आदेश ऐसे कि उसका अनुपालन नैसर्गिक न्याय के सिद्धांत के विरुध्द ही है। नेशनल ह्यूमन राइट्स कमीशन(एनएचआरसी) ने मोटेड आईएएस अंजनी कुमार सिंह के खिलाफ 4 सप्ताह में कार्रवाई करते हुए रिपोर्ट पेश करने के आदेश दिए हैं। जिसमे पीड़ित और शिकायतकर्ता को शामिल कर कार्रवाई का निर्देश शामिल है।

आदेश की प्रति कानपुर डीएम को भेजी गई हैं। हालाँकि आदेश के बाद 4 सप्ताह से अधिक का समय बीत चुका है लेकिन न पीड़िता को कोई सूचना है न ही कार्रवाई के क्रम में याची को शामिल किया गया है। आपको बताते चलें कि विगत 7 दिसंबर 2024 को सुनवाई के दौरान मैनपुरी जिले के किशनी तहसील में समाधान दिवस के दिन महिला और उसकी बेटी को डीएम से सरकारी कर्मियों के भ्रष्टाचार और उसकी जमीन पर अवैध कब्जे की शिकायत लिए फ़रियाद करने पहुंची थी। डीएम अंजनी कमार सिंह के साथ में एसपी और एसडीएम भी थे। सूचना के मुताबिक वहां बहरामऊ गांव निवासी महिला राधा और बेटी दिव्या आ गई। दोनों डीएम से इस मामले में शिकायत कर रही थी, माँ बेटी ने कड़ी नाराजगी जाहिर की। जिसपर डीएम अंजनी कुमार सिंह गुस्सा गए और जेल भेजने का फरमान सुना दिया उन्होंने कहा- दोनों शांति भंग कर रही है, दोनों को जेल में डाल दो। मीडिया को यह खबर चली और वायरल खबर से चौतरफा डीएम का विरोध शुरू हुआ था। डीएम को बैकफुट पर आना पड़ा और सफाई पेश की। मामले पर कानपुर की पब्लिक वेलफेयर एसोसिएशन ने रिजोल्यूशन पास कर शासन के कार्मिक एवं स्थापना विभाग सहित एनएचआरसी कोर्ट में याचिका दाखिल की थी। पंकज कुमार सिंह का कहना है कि डीएम हो या कोई और कानून के सिकंजे से बाहर कोई नहीं है। गृह मंत्रालय में मांगे थे कार्रवाई के लिए साक्ष्य शिकायत पर प्रमोटी डीएम अंजनी कमार सिंह के विरुध्द कार्रवाई का संज्ञान लेते हुए उत्तर प्रदेश शासन के संयुक्त सचिव अरुणेश कमार द्विवेदी ने शिकायत की पुष्टि और समर्थन में साक्ष्य की मांग की है।पीडब्ल्यूएके महासचिव पंकज कुमार सिंह ने पीडब्ल्यूए की ओर से शासन के संयुक्त सचिव के पत्र के जवाब में फरियादी माँ बेटी पर की गई डीएम अंजनी कुमार सिंह की कार्रवाई का मीडिया कवरेज और अखबारों में छपी खबरों की कतरनों का एक बंच सेट संलग्न करते हुए साक्ष्य स्वरुप प्रेषित किया था। लेकिन इस पर भी शासन ने कोई कार्रवाई नहीं की। डीएम लगातार पद पर काबिज़ है।

अयोध्या : मेडिकल कॉलेज में छात्र की मौत का मामला

‘हार्ट अटैक’ की रिपोर्ट लेकिन सवालों का पहाड़

पांच घंटे तक छात्र कहां था? अस्पताल से गायब होने पर पुलिस को सूचना क्यों नहीं दी गई

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्या। राजर्षि दशरथ स्वशासी चिकित्सा महाविद्यालय में एक छात्र की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत ने कई गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मौत का कारण भले ही हार्ट अटैक बताया गया हो, लेकिन घटनाक्रम के कई पहलू अब भी रहस्य बने हुए हैं।

जानकारी के अनुसार डिप्लोमा इन ब्लड ट्रांसफ्यूजन के द्वितीय वर्ष के छात्र जितेंद्र प्रताप को 13 मार्च की शाम पेट दर्द की शिकायत के बाद मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया था। बताया जाता है कि देर रात लगभग दो बजे वह अस्पताल से गायब हो गया, लेकिन इस घटना की सूचना तत्काल पुलिस को नहीं दी गई। अगली सुबह करीब सात बजे

उसे फिर से अस्पताल लाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। इस पूरे घटनाक्रम में सबसे बड़ा सवाल यही है कि रात दो बजे से सुबह सात बजे तक छात्र कहां था और किन परिस्थितियों में अस्पताल से बाहर गया।परिजनों और स्थानीय लोगों के बीच इस मामले को लेकर संदेह और आक्रोश दोनों है। मेडिकल कॉलेज प्रशासन पर भी सवाल उठ रहे हैं कि जब कोई मरीज बिना बताए अस्पताल से चला जाता है तो सामान्यतः पुलिस को सूचित किया जाता है, लेकिन इस मामले में ऐसा क्यों नहीं हुआ। अब सबकी नजर पुलिस जांच पर टिकी है।

नवरात्र के पहले दिन बदले नियम वीआईपी संस्कृति पर ब्रेक

रामनगरी में ‘राष्ट्रपति दिवस’

» मोबाइल, हथियार और वीआईपी पास पर रोक, भारी भीड़ के बीच प्रशासन के लिए परीक्षा का दिन

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्या। रामनगरी में 19 मार्च को आस्था, राजनीति और सुरक्षा–तीनों का संगम देखने को मिलेगा। चैत्र नवरात्र के पहले दिन राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के आगमन के साथ राम मंदिर में श्रीराम यंत्र की स्थापना का कार्यक्रम प्रस्तावित है। इसी दिन हिंदी नववर्ष यानी वर्ष प्रतिपदा भी है, ऐसे में लाखों श्रद्धालुओं के उमड़ने की संभावना ने प्रशासन की धड़कनें तेज कर दी हैं।श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट और जिला प्रशासन ने भीड़ प्रबंधन को लेकर सख्त नियम लागू कर दिए हैं। इस दिन सबसे बड़ा फैसला यह लिया गया है कि किसी भी वीआईपी पास के जरिए दर्शन नहीं कराए जाएंगे। सभी श्रद्धालुओं को सामान्य दर्शन मार्ग से ही प्रवेश मिलेगा। ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय के अनुसार मंदिर परिसर में मोबाइल फोन ले जाने पर पूरी तरह प्रतिबंध रहेगा। सुरक्षा कारणों से लाइसेंसी रिवॉल्वर, बंदूक या तलवार जैसे हथियारों के प्रवेश पर भी रोक रहेगी। हालांकि सिख समुदाय को धार्मिक परंपरा के तहत छोटा कृपाण पहनने की अनुमति दी गई है। नवरात्र के उपवास को ध्यान में रखते हुए परिसर में फलाहार की व्यवस्था भी की जाएगी। प्रशासन के लिए असली चुनौती अब यही है कि आस्था की इस भीड़ में व्यवस्था की परीक्षा कहीं भारी न पड़ जाए।

अयोध्या के 19 थानों में 1,073 लाइसेंसी असलहे पांच साल से खा रहे धूल

थानों में ‘सोया शस्त्रागार’

» चुनाव में जमा किए गए थे हथियार, मालिक अभी तक लेने नहीं पहुंचे

» एसएसपी डॉ. गौरव ग्रोवर ने शुरू कराई सत्यापन और वापसी की प्रक्रिया

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्या। रामनगरी के थानों में इन दिनों एक अजीब हालात सामने आए हैं। यहां अपराधियों के नहीं, बल्कि लाइसेंसधारी नागरिकों के 1,073 असलहे पिछले पांच वर्षों से थानों में जमा होकर धूल फांक रहे हैं। चुनाव के दौरान सुरक्षा कारणों से जमा कराए गए ये हथियार अब थानों के मालखानों में जंग खा रहे हैं, लेकिन उनके मालिक उन्हें वापस लेने नहीं पहुंच रहे।

पुलिस रिकॉर्ड के मुताबिक इन हथियारों में सिंगल और डबल बैरल बंदूक, राइफल और पिस्टल शामिल हैं। हैरानी की बात यह है कि इनमें से 868 असलहे ग्रामीण क्षेत्रों के लाइसेंसधारकों के हैं। अकेले इनायतनगर थाना क्षेत्र में 166 और रुदौली में 108 हथियार अभी भी अपने मालिकों का इंतजार कर रहे हैं।

मामले को गंभीरता से लेते हुए एसएसपी डॉ. गौरव ग्रोवर ने अब

इन सभी असलहों का सत्यापन कराने और उनके मालिकों से संपर्क कर वापस दिलाने की प्रक्रिया शुरू करा दी है। एसएसपी के मुताबिक यदि किसी असलहाधारक का पता नहीं चलता या वारिस सामने नहीं आते, तो लाइसेंस निरस्त करने की कार्रवाई भी की जाएगी। फिलहाल पुलिस के सामने चुनौती यह है कि थानों में जमा इन हथियारों के बोझ को कम किया जाए और उनकी कानूनी स्थिति स्पष्ट की जाए।

नगर निगम अयोध्या में 10 नामित पार्षद घोषित, विकास में निभाएंगे भागीदारी

शहर के विभिन्न क्षेत्रों से चयनित प्रतिनिधियों को मिला मौका, जनहित के मुद्दों पर देंगे सुझाव

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्या। नगर निगम अयोध्या में दस नामित पार्षदों की घोषणा कर दी गई है। इस संबंध में प्रमुख सचिव पी. गुरूप्रसाद की ओर से आदेश जारी किया गया। नगर निगम अधिनियम के तहत समाज के विभिन्न वर्गों की भागीदारी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से इन पार्षदों को नामित किया गया है।

भाजपा महानगर अध्यक्ष कमलेश श्रीवास्तव ने बताया कि नामित पार्षद नगर निगम की बैठकों में भाग लेकर शहर के विकास और जनहित से जुड़े मुद्दों पर अपने सुझाव देंगे। उन्होंने कहा कि इन प्रतिनिधियों के माध्यम से समाज के अलग-अलग वर्गों की आवाज निगम तक पहुंचेगी और विकास कार्यों को गति मिलेगी।

भाजपा महानगर मीडिया प्रभारी दिवाकर सिंह के अनुसार घोषित नामित पार्षदों में सुशील कुमार मिश्र (सिविल लाइंस), संजय निषाद (निषाद नगर रेतिया), लक्ष्मण वर्मा (हैबतपुर दशरथ कुंड), संजय कोरी (धर्मपुर सहादत), सुशील कुमार सिंह (सरस्वतीपुरम), रंजना सागर (राजघाट), आशुतोष पाण्डेय (दीनदयाल नगर), ज्ञान केशरवानी (बेगमगंज मकबरा), सुनीता गुप्ता (बड़ी देवकाली) और अनीता द्विवेदी (रामनगर रोड नाका) शामिल हैं।

बीजेपी अयोध्या महानगर अध्यक्ष कमलेश श्रीवास्तव

ईरान पर अमेरिकी वार

जंग तीसरे हफ्ते में, टकराव अब खाड़ी के पार जाने के कगार पर

- अमेरिका ने हमले को "रोकथाम" की कार्रवाई बताया
- ईरान ने नागरिक हताहतों का मुद्दा उठाया
- सऊदी अरब की कथित भूमिका से तनाव और बढ़ा
- खाड़ी क्षेत्र में युद्ध के विस्तार की आशंका
- वैश्विक तेल आपूर्ति और बाजार पर खतरा

स्वराज इंडिया ब्यूरो

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में जारी भीषण संघर्ष अब एक निर्णायक और खतरनाक मोड़ पर पहुंचता दिख रहा है। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान पर हालिया हमलों का खुलकर बचाव करते हुए इसे ÷वैश्विक सुरक्षा के लिए अनिवार्य कदम÷ बताया है। उनका दावा है कि इस सैन्य अभियान ने ईरान की परमाणु हथियार बनाने की क्षमता को गहरा झटका दिया है और उसकी सैन्य ताकत को कमजोर कर दिया है।

ट्रंप ने यह भी कहा कि उन्हें युद्ध पसंद नहीं है, लेकिन ईरान को परमाणु हथियार हासिल करने से रोकना बेहद जरूरी था। उन्होंने आरोप लगाया कि हाल के हफ्तों में ईरानी सरकार ने हजारों प्रदर्शनकारियों की हत्या की, जिससे अंतरराष्ट्रीय समुदाय में चिंता बढ़ी। व्हाइट हाउस की ओर से भी इस कार्रवाई को वैश्विक शांति के हित में बताया गया है। प्रेस सचिव ने संकेत दिए कि पश्चिमी देशों का एक बड़ा समूह लंबे समय से ईरान के परमाणु कार्यक्रम को रोकने के पक्ष में रहा है। इसी बीच, अमेरिका ने चीन, फ्रांस, जापान, दक्षिण कोरिया और ब्रिटेन जैसे देशों से अपील की है कि वे रणनीतिक रूप से अहम होर्मुज जलडमरूमध्य में अपने युद्धपोत तैनात कर समुद्री मार्ग को सुरक्षित रखें।

दूसरी ओर, ईरान ने भी जवाबी कार्रवाई तेज कर दी है और खाड़ी क्षेत्र के देशों को निशाना बनाना शुरू कर दिया है। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने आरोप लगाया कि अमेरिका और इजराइल की बमबारी में सैकड़ों नागरिक मारे गए हैं, जिनमें बड़ी संख्या में बच्चे शामिल हैं। उन्होंने यह भी कहा कि कुछ पड़ोसी देश अपनी जमीन से हमलों की अनुमति देकर इस युद्ध को भड़का रहे हैं।

इस बीच एक और बड़ा खुलासा कूटनीतिक हलकों में हलचल मचा रहा है। रिपोर्ट्स के मुताबिक सऊदी क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान ने कथित तौर पर अमेरिका से ईरान के खिलाफ और सख्त सैन्य कार्रवाई की अपील की है। यदि यह दावा सही साबित होता है, तो यह संकेत है कि क्षेत्रीय शक्तियां भी अब इस संघर्ष में अप्रत्यक्ष रूप से शामिल हो रही हैं। यूरोपीय देशों ने भी चिंता जताई है और स्पष्ट रणनीति की मांग की है कि यह सैन्य अभियान कब तक चलेगा और इसका अंतिम लक्ष्य क्या होगा। पश्चिम एशिया का यह संघर्ष अब केवल सैन्य टकराव नहीं, बल्कि एक बड़े भू-राजनीतिक संकट में बदलता जा रहा है। हर गुजरते दिन के साथ यह तय हो रहा है कि यह जंग सीमित रहेगी या पूरी दुनिया को अपनी चपेट में भी ले लेगी।

❍ ट्रंप बोले, 'जरूरी था हमला', ईरान का पलटवार तेज

❍ सऊदी भूमिका पर उठे सवाल, वैश्विक ताकतें सतर्क

सऊदी और खाड़ी देशों की भूमिका अहम

- अगर सऊदी अरब या अन्य देश खुलकर सामने आए, तो यह संघर्ष पूरे मध्य-पूर्व को अपनी चपेट में ले सकता है।

वैश्विक शक्तियों का दबाव बढ़ेगा

- यूरोप, चीन और अन्य देश शांति वार्ता के लिए दबाव बना सकते हैं, लेकिन जमीन पर हालात तेजी से बिगड़ते दिख रहे हैं।

होर्मुज जलडमरूमध्य सबसे बड़ा फ्लैशपॉइंट

- दुनिया के तेल व्यापार का बड़ा हिस्सा इसी रास्ते से गुजरता है। यहां टकराव बढ़ा तो वैश्विक अर्थव्यवस्था पर सीधा असर पड़ेगा।

प्रॉक्सी वॉर से सीधे युद्ध का खतरा

- अब तक छद्म युद्ध (प्रॉक्सी) चल रहा था, लेकिन अब सीधे हमले और जवाबी हमले इसे खुली जंग में बदल सकते हैं।

युद्ध अब किस मोड़ पर

- युद्ध अब सिर्फ अमेरिका बनाम ईरान नहीं रहा। इसमें क्षेत्रीय शक्तियों की भूमिका के संकेत मिल रहे हैं, जिससे यह बहुपक्षीय संघर्ष बन सकता है।

आगे क्या हो सकता है?

- सीमित युद्ध जारी रह सकता है, होर्मुज में टकराव से वैश्विक संकट, बड़े पैमाने पर क्षेत्रीय युद्ध या फिर अंतरराष्ट्रीय दबाव में अस्थायी सीजफायर

"लॉ एंड ऑर्डर को गोली" बनाम "सख्त कार्रवाई"–हत्या पर सत्ता-विपक्ष आमने-सामने

गोरखपुर में दिनदहाड़े कत्ल, सियासत में भूचाल

स्वराज इंडिया ब्यूरो

लखनऊ/गोरखपुर। गोरखपुर के बरगदवा क्षेत्र में मंगलवार सुबह हुई सनसनीखेज हत्या ने उत्तर प्रदेश की राजनीति में तीखा उबाल ला दिया है। मॉर्निंग वॉक पर निकले प्रॉपर्टी डीलर और चौहान समाज के नेता राजकुमार चौहान की अज्ञात हमलावरों द्वारा दिनदहाड़े गोली मारकर हत्या किए जाने के बाद विपक्ष ने कानून-व्यवस्था को लेकर सरकार को कठघरे में खड़ा कर दिया है। इस हत्याकांड को लेकर समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने सीधे तौर पर प्रदेश सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि "उत्तर प्रदेश में कानून-व्यवस्था को ही गोली मार दी गई है।" उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदेश में अपराधियों के मन से पुलिस और कानून का डर खत्म हो चुका है और आम आदमी की सुरक्षा भगवान भरोसे है।

घटना: सुबह की सैर बनी मौत का जाल: जानकारी के अनुसार, राजकुमार चौहान रोजाना की तरह सुबह टहलने के लिए घर से निकले थे। घर से महज 300 मीटर दूर एक बगीचे के पास पहले से घात लगाए बैठे हमलावरों ने उन पर अचानक ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दी। गोलियों की आवाज से क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई। गंभीर रूप से घायल चौहान मौके पर ही गिर पड़े और उनकी मौत हो गई।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, हमलावर बेहद पेशेवर अंदाज में वारदात को अंजाम देकर मौके से फरार हो गए, जिससे यह घटना सुनियोजित हत्या की ओर इशारा कर रही है।

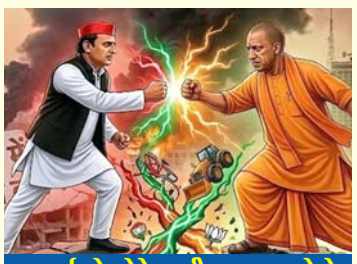

एआई जेनरेटेड प्रतीकात्मक फोटो

विपक्ष का तीखा हमला—"जंगलराज" की वापसी का आरोप: हत्या के बाद सियासी बयानबाजी तेज हो गई है। अखिलेश यादव ने इसे कानून-व्यवस्था की पूरी तरह विफलता बताते हुए कहा कि प्रदेश में "जंगलराज" जैसी स्थिति बनती जा रही है। उन्होंने यह भी कहा कि आए दिन हो रही हत्याएं, लूट और हमले सरकार के दावों की पोल खोल रहे हैं। अन्य विपक्षी नेताओं ने भी इस घटना को लेकर सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि "जीरो टॉलरेंस" की नीति सिर्फ भाषणों तक सीमित रह गई है।

सरकार का जवाब—"अपराधी बचेंगे नहीं" प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सरकार की ओर से मामले में सख्त कार्रवाई का भरोसा दिया गया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि इस हत्याकांड की हर एंगल से जांच की जा रही है, जिसमें पुरानी रंजिश, कारोबारी विवाद और अन्य कारणों को भी खंगाला जा रहा है।

घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है और कई संदिग्धों को चिन्हित कर पूछताछ शुरू कर दी गई है। पुलिस का दावा है कि जल्द ही इस वारदात का खुलासा कर आरोपियों को गिरफ्तार किया जाएगा।

कानून-व्यवस्था बना सियासी मुद्दा यह घटना ऐसे समय में सामने आई है जब उत्तर प्रदेश में कानून-व्यवस्था पहले से ही राजनीतिक बहस का बड़ा मुद्दा बनी हुई है। विपक्ष लगातार अपराध के आंकड़ों को लेकर सरकार पर हमला बोल रहा है। सत्ता पक्ष हर घटना के बाद त्वरित कार्रवाई और सख्ती का दावा कर रहा है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक **सपना देवी** द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से प्रकाशित। **संपादक: अनूप कुमार** **RNI No.:** UPHIN/2023/86769 ❍ **Email:** swarajindia2023@gmail.com ❍ Mob: 7800009853, ❍ **Website:** www.swarajindianews.com ❍ (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे) **प्रधान संपादक: पुरुषोत्तम द्विवेदी**

ई-पेपर पढ़ने के लिए क्लिक करें
https://epaper.swarajindianews.com